04 - योगी कैबिनेट में बढ़ेगी आधी आबादी की हिस्सेदारी?

05 - जन प्रतिनिधित्व करते हैं ग्रामीण संवाददाता



A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 23 अप्रैल, 2026

06 - देश की 10 'सेफ सिटीज' में ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में...

07 - किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों में तौल कांटे 4 से बढ़ाकर 6...



इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 200, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2



सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews


**प्रसंगवश**

# अमेरिका अब तक ईरान को क्यों नहीं हरा पाया?

**राजेश राजगोपालन**

अमेरिका और इज़राइल ईरान के खिलाफ जीत क्यों नहीं पा सके? ऐसे कई उदाहरण हैं जहां बड़ी ताकतें छोटे विरोधियों से हार गईं: लेकिन यहां मध्य पूर्व में जो हो रहा है, वह पूरी तरह हाई-इंटेंसिटी पारंपरिक युद्ध नहीं है।

असल समस्या यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इसे 'कम खर्च में जीतना' चाहते हैं। यह तब काम कर सकता था अगर लक्ष्य सीमित होता, जैसे पिछले साल ऑपरेशन मिडनाइट हैमर में हुआ था, या इस साल वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने में। हो सकता है कि इन 'सस्ती जीतों' ने ट्रंप को ज्यादा आत्मविश्वासी बना दिया हो।

इस बार उनका लक्ष्य बहुत बड़ा है: ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना। यह लक्ष्य तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक ईरान की इस्लामी सरकार को नहीं हटाया जाता, और यह शायद बिना ज़मीनी आक्रमण के संभव नहीं है। इसके बजाय ट्रंप ने धमकियों का इस्तेमाल करके ईरान को परमाणु हथियार छोड़ने पर मजबूर करने की कोशिश की। लेकिन ऐसी धमकियां तभी काम करती हैं जब आपकी विश्वसनीयता हो, यानी आप यह दिखाएं कि आप अपने लक्ष्य के लिए नुकसान सहने को तैयार हैं। ईरान ने दिखाया है कि वह दर्द सहने की क्षमता रखता है।

ईरान को हर क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है: उसकी वायुसेना, जो पहले ही बहुत मजबूत नहीं थी, काफी हद तक नष्ट हो गई है, उसकी नौसेना का बड़ा हिस्सा फारस की खाड़ी में डूब चुका है, और उसकी एयर डिफेंस प्रणाली भी बहुत कमजोर हो गई है। उसके मिसाइल भंडार और नई मिसाइल बनाने की क्षमता के बड़े हिस्से भी नष्ट हो चुके हैं, हालांकि इन्हें फिर से बनाया जा सकता है।

सबसे गंभीर बात यह है कि उसके कई शीर्ष नेता मारे जा चुके हैं। समस्या यह है कि अमेरिका और इज़राइल के सामने यह स्थिति है कि, इन सब के बावजूद, इस्लामिक शासन झुकने वाला नहीं है। अमेरिका के सामने एक बड़ी समस्या यह है कि वह उन दो चीजों को करने से रोका गया है जो वास्तव में काम कर सकती हैं। पहला है ईरान के तेल ढांचे को निशाना बनाना। एक तरफ, अमेरिका और उसके खाड़ी के सहयोगी इसे सही ठहरा सकते हैं क्योंकि ईरान पहले ही अपने पड़ोसी देशों के तेल उद्योग पर हमला कर चुका है। कतर, जो क्षेत्र में ईरान का सबसे करीबी दोस्त है, उसकी रास लाफ़ान LNG संरचना पर हमला हुआ और उसे काफी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा, यह पूरी तरह अमेरिका और इज़राइल की क्षमता में है कि वे ईरानी सुविधाओं पर हमला कर सकते हैं। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया है, तो इसका कारण यह है कि ट्रंप तेल की कीमतों और उनके अमेरिकी शेयर बाजार पर असर को लेकर बहुत संवेदनशील रहे हैं। हालांकि वह बार-बार कहते हैं कि अमेरिका पर इसका कम असर होगा क्योंकि उसके पास पर्याप्त तेल और गैस है, लेकिन वह जानते हैं कि यह एक कमजोर तर्क है। अमेरिका वास्तव में तेल का शुद्ध निर्यातक है, लेकिन तेल बाजार एक ही ग्लोबल मार्केट बाजार है। जो कीमतें अमेरिका के उपभोक्ता देते हैं, वही दुनिया के बाकी उपभोक्ता भी देते हैं (स्थानीय टैक्स और अन्य शुल्क को छोड़कर)। इसलिए अगर वैश्विक स्तर पर तेल की कीमत बढ़ती है, तो अमेरिका इससे बच नहीं सकता।

ईरानी तेल सुविधाओं पर हमला करने से यही प्रभाव होगा। यह भी एक कारण है कि अमेरिका ने रूसी और ईरानी तेल पर प्रतिबंध हटाए हैं, क्योंकि इन्हें ग्लोबल सप्लाई में जोड़ना कीमतों को कम रखने का एक तरीका है। अमेरिका ने इज़राइल को भी ईरानी तेल ढांचे पर हमला करने से रोक दिया है।

डिटरेंस के लिहाज से समस्या यह है कि ईरान जानता है कि यह ट्रंप की एक कमजोरी है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया है। वह अपने पड़ोसियों पर हमला कर सकता है ताकि उन्हें अमेरिका का साथ देने की सजा दे सके, बिना किसी जवाबी कार्रवाई के डर के। इसके अलावा, तेहरान अपने पड़ोसियों को अमेरिका की बेबसी भी दिखा रहा है। यह ईरानी मनोबल और भविष्य की क्षेत्रीय स्थिति दोनों के लिए जरूरी है। इसलिए, तेहरान में बचा हुआ शासन जानता है कि अमेरिका की धमकियों की भी सीमाएं हैं।

एक और बड़ा डर, जिस पर ईरान भरोसा कर रहा है, वह है ट्रंप की यह अनिच्छा कि वे ज़मीनी सैनिक भेजें, ईरान पर ग्राउंड इनवेज़न करें, या यहाँ तक कि फारस की खाड़ी में ईरानी द्वीपों पर सीमित हमला भी करें। यह पहले से साफ था, हालांकि न तो ट्रंप और न ही इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इसे समझ पाए, कि ईरान के परमाणु हथियारों की महत्वाकांक्षा पूरी तरह खत्म नहीं हो सकती जब तक ईरान की इस्लामी सरकार को हटाया न जाए।

उसके परमाणु ठिकानों का एक बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है, लेकिन पूरे कार्यक्रम को केवल हवाई हमलों या गुप्त ऑपरेशनों से खत्म नहीं किया जा सकता। इनसे कार्यक्रम की रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन उसे जड़ से खत्म नहीं किया गया है। परमाणु हथियारों की कोशिश ईरानी शासन की रणनीति के अंदर गहराई से जुड़ी हुई है, और वे इसे अपनी खुद की अस्तित्व जितना ही महत्वपूर्ण मानते हैं।

यह शासन इसके लिए बहुत बड़ी कुर्बानी देने को तैयार रहा है, जबकि यह एक तेल-समृद्ध देश है जिसे ऐसी ऊर्जा तकनीक की जरूरत नहीं है। यह कहना कि ईरान सिर्फ अपनी तकनीकी संप्रभुता बचाना चाहता है या वह लंबे समय के भविष्य की तैयारी कर रहा है, हास्यास्पद बहाने हैं, क्योंकि शासन ने इसके लिए असमान रूप से बहुत बड़ी कुर्बानियाँ दी हैं। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो अंततः एक हथियार बनाने के लिए बनाया गया है।

अमेरिका और इज़राइल ईरान के परमाणु कार्यक्रम को 'घास काटने' की तरह नियंत्रित कर सकते हैं: यानी समय-समय पर हमला करके उसे फिर से बनाने या आगे बढ़ाने की कोशिशों को नष्ट कर सकते हैं। यह एक लंबी अवधि की प्रतिबद्धता है, जिसे अमेरिका खासकर शायद ही करेगा।

ईरान को बस कुछ साल इंतजार करना है जब अमेरिका में एक अधिक जोखिम से बचने वाली सरकार आ जाए, और फिर वह अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को फिर से शुरू कर सकता है। अगर परमाणु हथियारों के कार्यक्रम को रोकना है तो शासन परिवर्तन जरूरी है। और यह कीमत ट्रंप देने को तैयार नहीं हैं।

**(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

**मोहन कैबिनेट ने किसानों को दिया बड़ा तोहफा**

# जमीन अधिग्रहण पर अब मिलेगा चार गुना मुआवजा

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कृषि भूमि के भूअर्जन पर गुणन कारक (मल्टीफिकेशन फैक्टर) को दोगुना करते हुए 2.0 कर दिया गया है। इससे अब अधिग्रहित कृषि भूमि का मुआवजा किसानों को दोगुना के स्थान पर बाजार दर से 4 गुना प्राप्त होगा। यह निर्णय संपूर्ण प्रदेश की ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के अधिग्रहण पर लागू होगा। मंत्रि-परिषद ने नगरीय सीमा में मुआवजा गुणन कारक को यथावत एक रखा गया है। मंत्रि-परिषद ने इसके साथ सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे अधोसंरचना निर्माण तथा विकास के कार्यों के लिए लगभग 33 हजार 985 करोड़ रूपये की स्वीकृति भी दी है। । कैबिनेट ने मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों में मरीजों के परिजनों के लिए शेल्टर होम बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। शेल्टर होम में मरीज के परिजनों को रुकने और खाने की व्यवस्था सस्ती दरों पर मिल सकेगी। यह व्यवस्था निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में भी लागू होगी।

### भू-अर्जन पर बाजार दर का 4 गुना मुआवजा मिलने से किसानों को होगा जबरदस्त फायदा

मंत्रि-परिषद ने किसानों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम 2015 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गुणन कारक को बढ़ाकर 2.0 कर दिया गया है, जिससे किसानों को अब उनकी कृषि भूमि का बाजार दर से 4 गुना मुआवजा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इस निर्णय से सिंचाई परियोजनाओं, सड़क, पुल, रेलवे और बांध निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाने वाली कृषि भूमि पर किसानों को अधिक राशि मिल सकेगी। इससे न केवल विकास कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि भूमि देने वाले किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, श्री राकेश सिंह और श्री चेतन्य कुमार काश्यप की उप-समिति ने अनुशंसा की थीं। उप-समिति ने अन्य राज्यों की नीतियों का अध्ययन करने के साथ ही विभिन्न किसान संगठन क्रेडाई,सीआईआई और फिक्की से चर्चा के बाद यह रिपोर्ट तैयार की थी।

### छिन्दवाड़ा सिंचाई काम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिए 969 करोड़ रूपये के विशेष पुनर्वास पैकेज की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रूपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रूपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के समकक्ष प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

# खाड़ी संकट ने बढ़ाई नई अनिश्चितता

**ईरान-अमेरिका में 'बेपटरी' वार्ता से बढ़ा संकट, एक्टिव सरकार**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान और अमेरिका के बीच पश्चिम एशिया में शांति को लेकर बातचीत फिलहाल फंस चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक तरफ एकतरफा सीजफायर बढ़ाने की बात कही है, वहीं तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर के साथ इलाके में अपनी मिलिट्री के 5,000 अतिरिक्त जवानों को भी उतारने वाले हैं। वहीं, ईरान ने भी होर्मुज में अपनी मुस्तैदी और बढ़ा दी है। ऐसे में फारस की खाड़ी में 28 फरवरी,2026 के बाद से निकलने के इंतजार में खड़े रह गए भारतीय जहाजों के सामने बहुत बड़ा संकट पैदा हो गया है। भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल के मुताबिक फारस की खाड़ी में इस समय अपने 14 जहाज मौजूद हैं। इनमें से 13 पर भारतीय झंडे लगे हैं और एक जहाज भारत के स्वामित्व वाला है, लेकिन किसी अन्य देश में रजिस्टर्ड (अन्य देश का झंडा) है।

● भारतीय जहाजों का इंतजार और बढ़ा, निपटने की कोशिश जारी

### भारतीय जहाजों की सुरक्षा पर लगातार नजर

अधिकारियों का कहना है कि फारस की खाड़ी में खड़े भारतीय जहाजों की सुरक्षा की स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई है। इसके लिए भारत सरकार लगातार ईरानी सरकार के साथ संपर्क में है। यह समीक्षा शनिवार को दो भारतीय जहाजों पर ईरानी नेवी की ओर से हुई फारिंग के बाद हुई है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने वाले थे। इससे पहले 10 भारतीय जहाज इस क्षेत्र से गुजर चुके हैं।

### जहाजों को निकालने के लिए ईरान के साथ संपर्क

उसी अधिकारी ने आगे बताया कि, खास तौर पर भारतीय झंडे वाले जहाजों को ही निशाना नहीं बनाया गया था। वहीं उन्होंने जानकारी दी कि भारत को अमेरिकी नाकेबंदी का किसी तरह से सामना नहीं करना पड़ा है। शनिवार को दो भारतीय जहाजों को चेतावनी में की गई फायरिंग का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद वे होर्मुज स्ट्रेट से वापस फारस की खाड़ी की ओर मुड़ गए थे। इसके बाद से एक भी भारतीय जहाज वहां से नहीं निकल सका है।

### प्रोटोकॉल में सुधार की तत्काल जरूरत नहीं

बाद में इस घटना को लेकर यह बात सामने आई कि निशाना भारतीय जहाजों पर नहीं था और न ही इसके जरिए किसी करू को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हुई। यह फायरिंग चेतावनी देने के लिए की गई थी। सोमवार को हुई इस समीक्षा के बाद कोई नई सुरक्षा एडवाइजरी जारी नहीं की गई है और मौजूदा दिशानिर्देशों का ही पालन किया जा रहा है। एक अधिकारी के अनुसार हालांकि, हालात बदल रहे हैं, लेकिन प्रोटोकॉल में सुधार की तत्काल जरूरत नहीं है।

# पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जमकर गरजे लड़ाकू विमान

● **जगुआर, सुखोई, एम-17 और तेजस ने दिखाया अपना दम**

**सुल्तानपुर (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर फिर भारतीय वायु सेना के विमान गरते। एयरफोर्स के फाइटर विमानों ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर विमान की टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास किया। यह अभ्यास युद्ध या राष्ट्रीय आपातकाल जैसी परिस्थितियों में एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करने की क्षमता को परखने के लिए आयोजित किया गया। दोपहर बाद एयर शो की शुरुआत हुई। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। एयर शो को लेकर मंगलवार को ही देश की सेना के जांबाज और फाइटर प्लेन सुलतानपुर आए।

### एयरफोर्स के आए नजर

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुलतानपुर में बनी एयरस्ट्रिप पर सुखोई 30, जैगुआर, मिराज गरजते हुए टच डाउन किया। इसके साथ ही वायुसेना के एमआई 17 हैलीकॉप्टर, ट्रांसपोर्टर सी 295, एएन 32 भी देखने को मिले। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बने एयरस्ट्रिप की लंबाई करीब 3.2 किलोमीटर है। यहां एयरस्ट्रिप की सतह की मोटाई लगभग 320 मिलीमीटर है। यह सुखोई, मिराज-2000 और जैगुआर जैसे भारी लड़ाकू विमानों के उतरने और उड़ान भरने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

**शरद की सुबह**

दूषित है
आकाश समूचा
बारूदी गंधों से

उपवन पर होते हमलों से
हार गई फूलों की खुशबू
और परिंदे सोच रहे हैं
कौन यहाँ बन गया स्वयंभू।
रसभीगी
हरियाली सूखी
हिंसक छलछंदों से।
मचल रही सुनामी लहरें
दहशत में तट का अंचल है।
शिखरों पर विस्फोट, धमाके
धुंध-धुएँ में भूमंडल है।

नहीं रही
उम्मीद अमन की
बहरों से, अंधों से।
दूषित है
आकाश समूचा
बारूदी गंधों से।

**-रघुवीर शर्मा**

# बिहार की सम्राट सरकार पर नीतिश की निगहबानी!

**तीसरी आंख की रोल में रहेंगे सुशासन बाबू, करेंगे मूल्यांकन**

**पटना (एजेंसी)।** न्याय यात्रा, विकास यात्रा और समृद्धि यात्रा। इनके नाम पर जनता के मर्म को समझने और राज्य सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करने का सफर है। नीतिश कुमार अब अपनी यात्रा का क्या नाम देते हैं, यह पता नहीं। लेकिन, मुख्यमंत्री के पद पर नहीं रहते, यात्रा तो तय कर ही लिया। अब वे बिहार की जनता के प्रति 'तीसरी आंख' की भूमिका निभाएंगे। अब इसे नीतिश कुमार का सोशल अटैक कहें या वर्तमान सरकार की निगहबानी। मगर, इतना तो तय है कि वर्तमान सरकार को 'खुले सांड' की तरह नहीं छोड़ने वाले। बिहार के सियासी गलियारों में जब से बीजेपी के मुख्यमंत्री को लेकर चर्चा शुरू हुई तब से उसके पैरलल नीतिश नीति पर

चलेगी सरकार की भी चर्चा होती रही। न केवल नीतिश कुमार बल्कि उनके वरीय और कनीय नेता भी एक ही राग अलाप रहे थे कि मुख्यमंत्री बनने का मतलब ये नहीं कि बीजेपी कोई अपना एजेंडा चला दे। इसलिए, पंचायत से लेकर राजधानी तक में राज्य सरकार के क्रिया-कलाप पर नजर रखी जाएगी। नीतिश कुमार की यात्रा पर निकलने की जो प्लानिंग बनी है, उसके पीछे का मकसद है कि बीजेपी कहीं अंदरूनी एजेंडे को राह देने में तो नहीं लगी। पिछले दिनों एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अल्पसंख्यक समुदाय के शख्स की टोपी को अस्वीकार करने की घटना ने राज्य की सेक्युलर जनता को चौंकाया। टोपी लेना न लेना अपनी मर्जी है, मगर ये सरकार नीतिश कुमार के पद त्याग से बनी है। सम्राट चौधरी की इस हरकत के बाद एक अलग तरह का विवाद शुरू हो गया है। इस विवाद के साथ-साथ नीतिश का 'थ्री सी' का कम्युनलिज्म प्रभावित होते दिखा।

### राजस्व विभाग के फैसले पर भी सवाल!

जदयू सूत्रों की मानें तो राजस्व विभाग के एक विवादित फैसला भी नीतिश कुमार के संज्ञान में लाया गया है। हुआ ये कि सत्ता में आने के बाद सम्राट चौधरी ने राजस्व विभाग के एक पुराने फैसले को पलट दिया है। इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में इसे हड़बड़ी में लिया गया निर्णय बताया जा हैं। सत्ता से बेदखल नीतिश कुमार जदयू की राजनीति को जनता के अंतिम पायदान तक पहुंचाने में जुटे हैं। साथ ही साथ जनता के बीच खुद की मौजूदगी दर्ज कराने यात्रा पर निकलने वाले हैं। इस यात्रा के दौरान नीतिश कुमार धरातल पर चल रही योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का आंकलन करेंगे। साथ ही इन योजनाओं का प्रभाव की भी खोज-खबर लेंगे। लेकिन इन सबके साथ नीतिश कुमार ये संदेश भी जनता को देंगे कि जो कहा था सो किया यानि आपको छोड़ कर नहीं जा रहे हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c


# सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 23 अप्रैल 2026


जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

## नीतिश कुमार ने बनाई जेडीयू की नई टीम

### राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेता,निशांत नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार ने पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें उनके बेटे निशांत कुमार को जगह फिलहाल नहीं मिली है। जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेताओं को रखा गया है। राज्यसभा सांसद संजय झा जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे। वहीं, पार्टी के वरीय नेता एवं जहानाबाद से पूर्व सांसद चंद्रेश्वर

प्रसाद चंद्रवंशी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष होंगे। वहीं, 12 नेताओं को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। इसमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिशचंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर, हर्षवर्धन सिंह, मौलाना गुलाम रसूल और बलियावी का नाम शामिल है। राजीव रंजन सिंह जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने रहेंगे। वहीं, रविंद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूही तागुंग और निवेदिता कुमारी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

## नेपाल में पीएम बालेन शाह की सरकार को बड़ा झटका

- गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने भारी दबाव के बाद दिया इस्तीफा

**काठमांडू (एजेंसी)।** नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब हाल के दिनों में व्यवसायी दीपक भट्टा के साथ उनके कथित व्यावसायिक संबंधों को लेकर विवाद सामने आए हैं। दीपक भट्टा पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जांच चल रही है। गुरुंग ने सोशल मीडिया के जरिए अपने इस्तीफे की घोषणा की।

## शिवराज की अगुवाई में कृषि विकास को नई रफ्तार देने जा रहा हैं उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन

## लखनऊ में 24 अप्रैल को जुटेगा उत्तर भारत का कृषि नेतृत्व

**नई दिल्ली/ लखनऊ।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 24 अप्रैल, शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित होने जा रहा उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन किसान-केंद्रित, परिणामोन्मुख और समन्वित कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में उत्तर भारत के राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों, एफपीओ, स्टार्टअप्स, केवीके, वित्तीय संस्थानों और खरीद एजेंसियों की भागीदारी के माध्यम से खेती, किसान आय, तकनीक, विपणन और कृषि अवसंरचना से जुड़े मुद्दों पर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आज कृषि भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा- निर्देश दिए।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र को अधिक आधुनिक, समावेशी और किसानोन्मुख बनाने के उद्देश्य से उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का आयोजन 24 अप्रैल को लखनऊ में किया जा रहा है।

## योगी बोले-ममता दीदी को रामनाम से चिढ़ है

# बंगाल की पहचान काबा नहीं मां काली से है

**लखनऊ (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा- जब भारत आजाद हुआ तो तब पूरा देश रोजगार के लिए बंगाल आता था। उसके बाद पहले कांग्रेस ने लूटा, फिर कम्युनिस्टों ने नोचा, अब 15 साल से टीएमसी कंगाल कर रही है। सीएम ने कहा- बुआ-भतीजा मिलकर बंगाल के अस्तित्व को खत्म करना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है यहां उर्दू चलेगी। मैं कहता हूं कोई माई का लाल बंगाली अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल की पहचान काबा से नहीं मां काली बाड़ी से है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की जोरासांको और चकदहा विधानसभा सीट पर चुनावी रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में एक बच्चा पोस्टर लेकर पहुंचा था जिस पर लिखा था- योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं। सीएम योगी ने कहा- बंगाल में धड़ल्ले से गोहत्या होती है। भगवान राम के नाम से ममता दीदी को चिढ़ है। शोभायात्रा निकालने की परमीशन नहीं मिलती, टीएमसी के गुंडे गुडा टैक्स वसूलते हैं। ऐसी स्थित यूपी में भी थी सपा के गुंडों को टैक्स देना होता था। विकास ठप था, राम का नाम लेने वालों पर लाठी-गोली चलती थी। आज यूपी में उत्सव है। कहीं रामनवमी का उत्सव, कहीं कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव, कहीं कांवड़ यात्रा का उत्सव। यूपी में सब शांति है माफिया और गुंडा समाप्त है।

### कोलकाता के मेयर कहते हैं-यहां तो उर्दू चलेगी

### बेटी की इज्जत पर हाथ डालने वाला यमराज के घर जाता

सीएम योगी ने कहा- किसी बहन-बेटी की इज्जत पर हाथ डालता है तो सीधे यमराज के घर जाता है। अन्नदाता किसान खुशहाल है, विकास की बहार है और 500 साल में जो काम नहीं हुआ, मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है। इस बार बंगाल में डबल इंजन सरकार बनने जा रही है।

- **रिजल्ट आते ही बंगाल फिर सोनार बांग्ला बनेगा-** सीएम योगी ने कहा- यूपी में कब्जा नहीं होता। वहां गुंडा जानता है कि अगर कब्जा किया तो सरकार उनकी 7 पुश्तों की जमीन निकालकर गरीबों के लिए घर बनवा देगी। मैं जानता हूं 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो बंगाल सोनार बांग्ला बनके अपनी अस्मिता को पहचानेगा। उन्होंने कहा- हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना। अभी जो कठमुल्लापन को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसे हर हाल में रोकना होगा। इसके लिए भारत के लोकतंत्र ने जो ताकत दी है उसका इस्तेमाल कीजिए। सीएम योगी ने नादिया जिले की चकदहा सीट पर रैली की।
- **बुलडोजर माफिया-गुंडों की हड्डियों का हाईवे बना देता -** सीएम योगी ने कहा- यूपी में माफिया और गुंडा सिर उठाता है तो बुलडोजर उनकी हड्डी-पसली को हाईवे बनाने में उपयोग करता है। कांग्रेस और सपा के समय जो गुंडों ने सरकारी संपति पर कब्जा किए उसमें गरीब की भूमि गरीब को दी। सरकार की जमीन सरकार के पास आई और उनकी खुद की कमाई से अर्जित जमीन पर गरीबों के लिए घर बन रहे हैं। काशी, प्रयागराज में पूरी दुनिया आ रही है। ये तभी होता है जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार होती है। हमने अयोध्या-काशी को संवारा है और बंगाल में गुरुदेव रविंद्र की पैतृक संपति पर टीएमसी के गुंडों का कब्जा है।

# ममता बनर्जी के कामों से खतरे में लोकतंत्र

### बंगाल चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। आई-पैक पर हुई छापेमारी के समय ममता बनर्जी के प्रतीक जैन के घर में घुसने पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप यूं ही बीच में दखल नहीं दे सकते हैं। उनके कामों से लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि यह अपने आप में एक ऐसे व्यक्ति का काम है, जो मुख्यमंत्री भी हैं और जिन्होंने लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए पूरे सिस्टम का इस्तेमाल किया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव भी चल रहे हैं और दो फेज में वोटिंग होनी है। इस

साल की शुरुआत में जनवरी महीने में ईडी ने आई-पैक के कई ठिकानों पर छापे मारे थे। इस दौरान, खुद ममता बनर्जी आईपैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर में रेड के समय घुस गई थीं और कुछ फाइलें लेकर आ गई थीं। तब यह बड़ा राजनैतिक मुद्दा बना था। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि बनर्जी ने उस जगह से अहम सबूत हटा दिए। कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके कामों ने लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया।

### राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं

हालांकि, इस तर्क से असहमति जताते हुए जस्टिस कुमार ने कहा, इसमें राज्य का कौन-सा अधिकार शामिल है। यह राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद नहीं है। आप यूं ही बीच में दखल नहीं दे सकते। किसी भी राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री, किसी जांच या तफ्तीश के बीच में ही पहुंच जाता है, और आप कहते हैं कि यह असल में राज्य और केंद्र सरकार के बीच का विवाद है? उन्होंने पूछा, कोई भी मंत्री जांच के बीच में ही चला आता है और आप इसे लोकतंत्र के लिए खतरा मानते हुए भी यह तर्क देते हैं कि यह मूलत: राज्य और केंद्र के बीच का विवाद है।

## किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर कांग्रेस सेवादल का 24 घंटे का सत्याग्रह एवं उपवास आंदोलन

**भोपाल।** अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन में मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल द्वारा किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर 24 घंटे का सत्याग्रह एवं उपवास आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 23 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे से प्रारंभ होकर 24 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे तक जवाहर भवन, रोशनपुरा, भोपाल में आयोजित होगा। कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित इस सत्याग्रह का उद्देश्य प्रदेश के किसानों की समस्याओं–जैसे समर्थन मूल्य, फसल खरीदी में अनियमितता, भुगतान में देरी एवं प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ आवाज बुलंद करना है। संगठन का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में किसानों को न्याय दिलाने के लिए लोकतांत्रिक और अहिंसात्मक तरीके से संघर्ष आवश्यक है। इस आंदोलन में मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के तीनों विंग–सेवादल, महिला सेवादल एवं यंग ब्रिगेड सेवादल–के प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला अध्यक्ष अपने-अपने साथियों सहित बड़ी संख्या में सेवादल यूनिफॉर्म में भाग लेंगे।

### लेंसकार्ट में तिलक विवाद

## एमपी-यूपी, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में हुआ प्रदर्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगा रहे और कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है। तेरो कक्का का भारत है क्या, हां! हमारे तो बाप का भारत है।' पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी। कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दर्शाता। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है।

# पाकिस्तान तो फेल रहा, भारत कर दिखाएगा

### राजनाथ सिंह ने दिए ईरान-यूएस के बीच मध्यस्थता के संकेत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी से तनाव की स्थिति बनी हुई है। कई दिनों तक हुए हमलों के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन अभी तक शांति स्थापित नहीं हो सकी है। दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हुए हैं। पाकिस्तान ने इस मध्यस्थता की कोशिश की है, लेकिन वह अभी तक पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सका है। इस सबके बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बर्लिन में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कल ऐसा समय भी आ सकता है जब भारत अपनी भूमिका निभाए और इसमें सफलता भी हासिल करे। राजनाथ सिंह के इस बयान के बाद से भारत के द्वारा मध्यस्थता की अटकलें तेज हो गई हैं। ईरान और अमेरिका के रिश्तों पर राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ने कोशिश की है, लेकिन हर चीज का एक समय होता है। हो सकता है कि कल ऐसा समय आए जब भारत इसमें अपनी भूमिका निभाए और सफलता भी हासिल करे।

हम इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों पक्षों से युद्ध समाप्त करने की अपील की है। कूटनीतिक मामलों में हमारे प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण बहुत संतुलित है।

### स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर भी राजनाथ ने रखी बात

राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान कोई दूर की घटना नहीं बल्कि यह एक कड़वी सच्चाई है जिसका भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीकी परिवर्तन ने स्थिति को बेहद जटिल एवं परस्पर संबंधित बना दिया है। बदलते परिवेश के अनुकूल ढलने की तत्परता के साथ एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जर्मनी यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में 50 दिनों से अधिक समय से संघर्ष जारी है और इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

# ईवीएम पर गोंद, परफ्यूम लगाने वालों को छोड़ेंगे नहीं

### बंगाल-तमिलनाडु चुनाव से पहले चुनाव आयोग की चेतावनी, वोटिंग आज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ईवीएम के बटन पर इत्र, गोंद या किसी भी तरह का पदार्थ लगाना छेड़छाड़ माना जाएगा और यह चुनावी अपराध है। हाल के दिनों में यह दावा सामने आया था कि कुछ राजनीतिक कार्यकर्ता यह पता लगाने के लिए ऐसा करते हैं कि वोट उनके पक्ष में पड़ा है या नहीं। मंगलवार को अधिकारियों ने कहा कि अगर किसी मतदान केंद्र पर ऐसी कोई हरकत सामने आती है, तो वहां के पीठासीन अधिकारी को तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को इसकी जानकारी देनी होगी। यह निर्देश तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में कल 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिए गए हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों में आयोग सख्त कार्रवाई करेगा और जरूरत पड़ने पर दोबारा मतदान (री-पोल) का आदेश भी दिया जा सकता है।

### बटन पर कुछ भी लगाना सख्त मना

अधिकारियों ने सभी मतदान केंद्रों के पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि ईवीएम के सभी उम्मीदवारों के बटन साफ और स्पष्ट दिखाई दें। किसी भी बटन पर टेप, गोंद या अन्य कोई चीज नहीं लगी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि बैलेट यूनिट के बटन पर किसी भी तरह का रंग, स्याही, इत्र या रसायन नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि इससे वोट की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। अगर इस तरह की कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो पीठासीन अधिकारी तुरंत उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी देंगे।

## पहलगाम हमले के एक साल, दुनिया भर से निंदा

- यूरोप के 27 देश और ईयू आए भारत के साथ, बोले-भूलेंगे नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते साल 22 अप्रैल को भीषण आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने चुन-चुन कर उन लोगों को मार डाला था, जो हिंदू थे।

उनका धर्म और नाम पूछकर यह कत्लेआम किया गया था। आज इस घटना को एक साल हो गए हैं और दुनिया भर में इसकी निंदा की जा रही है। इस बीच यूरोपियन यूनियन और उसके 27 सदस्य देशों ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। बुधवार को यूरोपियन यूनियन की ओर से एक पोस्ट किया गया।

# तीन राज्यों में कितनी सीट पाएगी कांग्रेस, शाह ने बताया!

- गृहमंत्री की बड़ी भविष्यवाणी, एक में तो जीरो का अनुमान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस को लेकर भी बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। बंगाल की सत्ता पर काबिज होने का दावा करने वाली भाजपा के नेता ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहती हूं कि कांग्रेस यहां खाता भी नहीं खोल पाएगी। दमदम में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बता दूं कि बंगाल में

कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सकेगा। इसके अलावा उन्होंने दो और राज्यों तमिलनाडु और पुदुचेरी को लेकर भी कांग्रेस के बारे में भविष्यवाणी की। अमित शाह ने कहा कि पुदुचेरी और तमिलनाडु में कांग्रेस का आंकड़ा दहाई तक नहीं पहुंचेगा यानी वह 10 या उससे ज्यादा सीटें नहीं हासिल कर सकेगी। बंगाल के दमदम में अमित शाह ने वोटरों से देश के नाम वोट करने करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप लोग अपना वोट घुसपैठिया मुक्त बंगाल के लिए करें।

## अग्नि सुरक्षा की अनदेखी, दो रेस्टोरेंट सील

**इंदौर।** जिले में अग्नि सुरक्षा प्रबंधों को लेकर सघन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले भवनों एवं संस्थानों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में मंगलवार को पीयू-3 स्कीम नंबर-54 के भूखंड क्रमांक 13-14 एवं 32-33 पर स्थित भवनों में बड़ी कार्रवाई की गई। यहां रूफटॉप पर संचालित कबीला वेज बारबेक्यू एवं एयरन हाइट रेस्टोरेंट एंड किचन में अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक उपकरण नहीं पाए गए। साथ ही बिना स्वीकृति के किचन संचालन भी किया जा रहा था। इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए प्रशासन द्वारा दोनों रूफटॉप रेस्टोरेंट्स को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार मल्हारगंज निधि धाकड़, भवन अधिकारी जोन-07 टीना सिसोदिया, भवन निरीक्षक पीयूष मावी एवं राजस्व टीम की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिले में हिदायत दी गई है कि अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे संस्थानों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

## आरटीओ धार ने चेकिंग अभियान चलाया

**धार।** अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, धार एवं उनकी टीम ने 10 अप्रैल से 20 अप्रैल तक संयुक्त रूप से विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पाया गया कि जिले के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रकार के वाहनों (बस, ट्रक, डंपर, पिकअप, स्कूल बस) द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए वाहन स्वामियों द्वारा जानबूझकर बिना परमिट, बिना फिटनेस, बिना पीयूसी एवं नियम विरुद्ध वाहनों का संचालन किया जा रहा था। जिस पर सख्ती से कार्यवाही की गई। जांच के दौरान नियमों के विरुद्ध संचालित पाए गए वाहनों से 2,37,000 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया एवं 2 जब्त वाहनों से लगभग 1 लाख 50 हजार की वसूली की गई। वाहनों का नियम विरुद्ध संचालन पाए जाने पर इस प्रकार की चालानी कार्यवाही की जाएगी। परिवहन विभाग धार द्वारा समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर निरंतर चेकिंग कार्यवाही की जाती तथा नियम उल्लंघन पाए जाने पर वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्यवाही की जाती है।

## ब्राह्मण परिवार को मांसाहारी भोजन परोसा

**इंदौर।** ब्राह्मण समाज का युवक और दो युवतियां खाना खाने कैफे पर गए। वहां वेटर ने उन्हें मांसाहारी भोजन परोस दिया, जबकि युवक ने शाकाहारी डिश का आर्डर किया था। मांसाहारी भोजन परोसने के बाद विवाद हो गया। मामले में युवक ने तुकोगंज थाने पर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। युवक अमोल पिता बारकू पाटकर निवासी नालंदा परिसर ने बताया कि वह 18 अप्रैल की रात पौने 10 बजे अपनी महिला मित्र अदिति मोटानी और डिंपल शुक्ला के साथ 'कैफे मामा लोक' पहुंचा था। यहां युवक ने ओनियन रिंग का ऑर्डर किया। कुछ देर बाद वेटर ने चिकन विंग्स परोस दिया। जब युवक ने डिस खाई तो उसे शंका हुई। वेटर से पूछने पर पता चला कि डिस मांसाहारी है। युवक मांसाहारी भोजन का फोटो, वीडियो करता, इसके पहले ही वेटर ने प्लेट को वाशरूम में रख दी। जब कैफे मालिक से शिकायत तो वह अभद्रता करने लगा। घटना से क्षुब्ध युवक आर्डर का बिल चुकाने बगैर कैफे से बाहर आया और पूरे मामले की शिकायत की। मामले में टीआई जितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि जांच के बाद मैनेजर और मालिक पर कार्रवाई की जाएगी।

## बेहतर काम का 23 पुलिस वालों को इनाम

**इंदौर।** पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को हौसला अफजाई करने उन्हें बेहतर काम का इनाम भी दिया जाता है। इसी क्रम में चारों जोन के 23 अधिकारियों, कर्मचारियों को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में उपनिरीक्षक विकास यादव, प्रदीप यादव, कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह चौहान, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक शशांक दुबे, आरक्षक पंकज चौहान, गौरव गुर्जर, रामवीर गुर्जर थाना राजेंद्र नगर को अंधे कत्ल का पदार्फाश करने,कार्यवाहक उपनिरीक्षक अनिल गौतम, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पकंज सांवरिया, आरक्षक जबर सिंह थाना खजराना को 100 ग्राम एमडी ड्रग्स, आरक्षक घनश्याम, शामूसिंह थाना संयोगितागंज को वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करने, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक बलराम, आरक्षक धीरज पांडे, अनिल मकवाना, सुनिल सोनी थाना चदंन नगर को 3 तस्करों को पकड़ने के लिए पुरस्कार दिया। इसी प्रकार, महिला आरक्षक नेहा को रेडीसन आउटर पॉइंट चौराहे पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने, बसु चौहान को नृसिंह बाजार चौराहे पर यातायात प्रबंधन करने, कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक अमृत गोखले, आरक्षक खूबसिंह धाकड़ को शराब परिवहन करने वाले ट्रक को पकड़ने, उपनिरीक्षक फतेह सिंह आंजना, कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक सतेंद्र सिंह जादौन, आरक्षक संजय बारोड को 121 ग्राम एमडी जब्त करने पर इनाम दिया गया।

## टक्कर से युवक की मौत, पुलिस जांच

**इंदौर।** शहर में एक और हिट एंड रन का मामला सामने आया है, जहां नेमावर रोड पर सड़क पार करते समय युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दिलीप (42) निवासी पालदा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे हुए इस हादसे के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन संभवतः आयशर था, जिसने तेज रफ्तार में व्यक्ति को टक्कर मारी। स्थानीय लोगों ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतक के पास से मिली डायरी और टूटे हुए मोबाइल के आधार पर पहचान की कोशिश की गई, हालांकि शुरुआती समय में कोई पुष्टि नहीं हो सकी। भंवरकुआं थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार वाहन व चालक की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं, पुलिस मृतक के परिजनों तक सूचना पहुंचाने के प्रयास भी कर रही है।

# लोक निर्माण विभाग के 3 अफसरों को लोकायुक्त ने रिश्वत लेते पकड़ा

### बिल पास करने के बदले मांगे साढ़े 3 लाख रु, नकदी बरामद

**इंदौर।** मंगलवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तीन अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त टीम ने रंगे हाथों पकड़ा। इस कार्रवाई में कार्यपालन यंत्री जयदेव गौतम, अनुविभागीय अधिकारी टीके जैन और उपयंत्री अंशु दुबे शामिल हैं। तीनों पर एक ठेकेदार से अंतिम भुगतान के बदले मोटी रकम मांगने का आरोप है। लोकायुक्त दल ने जयदेव गौतम को उनके शासकीय निवास से 1 लाख 50 हजार रुपए लेते हुए पकड़ा, जबकि टीके जैन को कार्यालय परिसर के पोर्च के नीचे 1 लाख रुपए लेते समय गिरफ्तार किया गया। अंशु दुबे ने भी 1 लाख रुपए की मांग की थी, लेकिन पूरी रकम उपलब्ध नहीं होने के कारण उसने पैसे नहीं लिए। इस कार्रवाई में कुल 2 लाख 50 हजार रुपए जब्त किए गए।

### साढ़े 3 लाख की रिश्वत मांगी

मामला धार निवासी ठेकेदार राजपाल सिंह पंवार से जुड़ा है, जो पटेल इंटरप्राइजेज के संचालक हैं। उनकी फर्म ने वर्ष 2023 में मैथवाड़ा फोरलेन पहुंच मार्ग का काम 4 करोड़ 73 लाख रुपए में लिया था और इसे 4 करोड़ 51 लाख रुपए में पूरा किया। काम पूरा होने के बाद अंतिम बिल के भुगतान के लिए अधिकारियों ने 3 लाख 50 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी।

### जाल बिछाकर कार्रवाई

इसकी शिकायत ठेकेदार ने लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर मंगलवार को जाल बिछाकर कार्रवाई की गई और तीनों अधिकारियों को पकड़ा गया। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7 और भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 61(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक आशुतोष मिठास, प्रतिभा तोमर और विवेक मिश्रा सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। पूरी कार्रवाई लोकायुक्त महानिदेशक योगेश देशमुख और उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में की गई।

# 'वंदे मातरम् विवाद' पर इंदौर कांग्रेस में हलचल, नेताओं को देवास बुलाया

### अनुशासन समिति ने सवाल पूछे, बयानबाजी पर सफाई मांगी

इंदौर। नगर निगम परिषद की बैठक में हुए वंदे मातरम् विवाद के बाद कांग्रेस संगठन में हलचल तेज हो गई है। मामले को गंभीर मानते हुए अनुशासन समिति ने बुधवार को इंदौर के सभी कांग्रेसी नेताओं और मुस्लिम पार्षदों को देवास तलब किया। बैठक में उनसे नगर निगम के विशेष सम्मेलन में शामिल न होने और विवाद को लेकर दिए गए बयानों पर जवाब मांगा गया।

यह विवाद उस समय सामने आया था जब नगर निगम परिषद की बैठक में कांग्रेस की दो महिला मुस्लिम पार्षदों ने वंदे मातरम् गाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने भाजपा पार्षदों को चुनौती भी दी, जिससे मामला और गरमा गया। घटना के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने स्पष्ट कहा था कि वंदे मातरम् सभी को गाना चाहिए। इस बयान के बाद पार्टी के भीतर मतभेद खुलकर सामने आए और संगठन दो हिस्सों में बंटा दिखाई दिया। विवाद बढ़ने पर दोनों महिला पार्षद फौजिया अलीम और रुबीना खान का कहना था कि इस्लाम में मातरम् शब्द कहने की अनुमति नहीं है। इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए शहर कांग्रेस ने दोनों पार्षदों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजा था। मामले की जांच के लिए मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महासचिव हरीश चौधरी ने एक समिति का गठन किया।

यह समिति अनुशासन समिति के रूप में काम कर रही है। इसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव संजय दत्त और उषा नायडू को शामिल किया गया है। देवास में हुई इस बैठक में नेताओं और पार्षदों से पूरे घटनाक्रम पर विस्तार से जानकारी ली गई। अब समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

# मांगलिया डिपो के सामने भीषण आग, हड़कंप, तीन घंटे में काबू

### यहां स्थित तेल डिपो में हजारों लीटर पेट्रोल और डीजल

**इंदौर।** क्षिप्रा थाना अंतर्गत मांगलिया क्षेत्र में मंगलवार दोपहर सवा तीन बजे बड़ी आगजनी की घटना ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। मांगलिया स्थित तेल डिपो के ठीक सामने सात्विक विहार के पास अटाला दुकान में अचानक आग भड़क उठी, जिसने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया था। शार्ट सर्किट से लगी आग की लपटें इतनी तेज और ऊंची थी कि उन्हें दूर-दूर से देखा जा सकता था। देखते ही देखते आग ने आसपास की दुकानों और कुछ मकानों को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यहां स्थित तेल डिपो में हजारों लीटर पेट्रोल और डीजल का भंडारण रहता है। ऐसे में आग के और अधिक फैलने का खतरा बना हुआ है। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और दमकल विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया था। आग के बाद से लगातार फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन आग की तीव्रता के कारण इसे काबू में लाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ था।

### सभी रास्तों को बंद किया

सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने डिपो के आसपास के सभी रास्तों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। मुख्य मार्ग पर यातायात रोक दिया गया है, जिससे लंबा जाम लग गया है। वहीं, तेल से भरे टैंकरों को भी डिपो के बाहर ही रोक दिया गया था, ताकि किसी भी प्रकार का बड़ा हादसा टाला जा सके। पुलिस और प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया था। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को खाली कराया गया था। राहत की बात यह है कि हादसे में किसी प्रकार जनहानि नहीं हुई।

# इंदौर-जयपुर रेल के सेकंड एसी में गंदगी, महिला यात्री ने हंगामा किया

### कॉकरोच, खटमल से परेशान यात्री, शिकायत फिर भी हल नहीं

**इंदौर।** जयपुर जा रही रेल में द्वितीय वातानुकूलित डिब्बे की खराब स्थिति को लेकर एक महिला यात्री ने गंभीर आरोप लगाए हैं। डॉ ज्योति जोशी नाम की यात्री ने सामाजिक माध्यम पर तस्वीरें और वीडियो साझा कर बताया कि डिब्बे में कॉकरोच और खटमल की भरमार थी, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। महिला के अनुसार वह 20 अप्रैल को ट्रेन संख्या 12973 से इंदौर से जयपुर की यात्रा कर रही थीं। रात करीब दो बजे उन्हें अपनी सीट और बिस्तर पर कॉकरोच और खटमल दिखाई दिए। इस कारण यात्री पूरी रात सो नहीं सके और असहज स्थिति में यात्रा करने को मजबूर रहे। डॉ जोशी ने बताया कि उन्होंने इस समस्या की कई बार शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। शिकायत के बाद रेल कर्मचारी पहुंचे जरूर, लेकिन उन्होंने केवल दवा का छिड़काव किया और लौट गए। कर्मचारियों ने यह भी स्वीकार किया कि डिब्बे में यह समस्या पहले से बनी हुई है और साफ-सफाई ठीक तरह से नहीं हो रही है।

वीडियो जारी किए महिला ने अपने दावों के समर्थन में वीडियो भी साझा किए हैं, जिनमें खटमल साफ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आने वाले कुंभ मेले का जिक्र करते हुए कहा कि यदि व्यवस्था ऐसी ही रहीं तो बाहर से आने वाले यात्रियों पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। वायरल हो रहे वीडियो में डॉ जोशी यह कहते हुए नजर आ रही हैं कि शुरुआत में उन्हें कुछ असहज लगा, लेकिन ध्यान नहीं दिया। बाद में जब उन्होंने देखा तो डिब्बे में कीड़े मौजूद थे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी की यह हालत है, तो सामान्य डिब्बों की स्थिति कैसी होगी।

### नकारात्मक प्रतिक्रिया

इस घटना के बाद सामाजिक माध्यम पर भी लोगों की प्रतिक्रिया सामने आई हैं। कुछ लोगों ने इसे कर्मचारियों की लापरवाही बताया, तो कुछ ने सरकार से इस दिशा में ध्यान देने की मांग की। वहीं, जब इस मामले में रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडे से जानकारी ली गई, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नहीं है।

# ई-रिक्शा व्यवस्था को मिला नया रंग शुरू हुई कलर कोड सेक्टर प्रणाली

### इससे ई-रिक्शाओं की पहचान और उनका संचालन आसान होगा

**इंदौर।** शहर में यातायात को और अधिक व्यवस्थित बनाने पुलिस ने नई पहल की है। 21 अप्रैल को पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी में ई-रिक्शा संचालन के लिए कलर कोड सेक्टर व्यवस्था की शुरूआत की गई। इस नई व्यवस्था के तहत शहर को 4 जोन में बांटा गया है और हर जोन को एक अलग रंग दिया गया है। जोन 1 के लिए नीला, जोन 2 के लिए पीला, जोन 3 के लिए लाल और जोन 4 के लिए सफेद रंग निर्धारित किया गया है। इससे ई-रिक्शाओं की पहचान और उनका संचालन आसान होगा।

### एक क्षेत्र में नहीं होगी भीड़

ई-रिक्शा का सेक्टर आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जा रहा है। साथ ही, जिन लोगों के पास एक से ज्यादा ई-रिक्शा हैं, उनके वाहनों को अलग-अलग जोन में बांटा जाएगा, ताकि किसी एक क्षेत्र में भीड़ न बढ़े। पंजीकरण के लिए तय फॉर्म भी जारी किया गया है, जिसके जरिए अब तक 6000 से ज्यादा ई-रिक्शा चालकों का रजिस्ट्रेशन पूरा किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि इस पहल से शहर में यातायात व्यवस्था और बेहतर होगी। साथ ही, ई-रिक्शा चालकों से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहयोग दें।

# पांच पुलिस वालों को सोना चुराना भारी पड़ा, वारंट प्रक्रिया दोषपूर्ण

### मामले की शिकायत के बाद पांचों को निलंबित कर दिया

**इंदौर।** वारंटी को गिरफ्तार करने के दौरान घर से 22 लाख 50 हजार का सोना चुराने वाले पांच पुलिसकर्मियों पर शीघ्र ही केस दर्ज होगा। पुलिसकर्मियों की शिकायत आरोपी की पत्नी ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को की थी। शिकायत के बाद पांचों को निलंबित कर दिया है। खुद पुलिस आयुक्त ने वारंट तामीली की प्रक्रिया को पूरी तरह दोषपूर्ण माना है।

जानकारी के मुताबिक, एक अप्रैल को स्कीम नंबर 114 पार्ट 2 में रहने वाले गौरव जैन को पकड़ने लसूड़िया थाने के एसआई संजय बिश्नोई सहित पांच जवान पहुंचे थे। इस दौरान पांचों ने गौरव जैन के घर का दरवाजा तोड़ दिया था। इसी दौरान घर की तलाशी के दौरान अलमारी में लगा सोना चुरा लिया था।

पुलिसकर्मियों के कृत्य का मामला जनसुनवाई में उठा। पुलिस आयुक्त संतोष सिंह ने बताया कि घटना से विभाग की छवि धूमिल हुई है। पांच पुलिसकर्मियों की कार्य पद्धति विभाग के अनुकूल नहीं है। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी, इसके लिए अलग से जांच दल गठित किया जाएगा। सम्पूर्ण मामले की जांच दो दिन में की जाए। इसके बाद दोषियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

### क्या रहेंगे जांच के बिंदु

- ग्वालियर कोर्ट से निकला वारंट यहां तक कौन लाया।
- वारंट तामील करने पांचों को कब भेजा।
- कार्रवाई के दौरान टीआई को क्या जानकारी दी।
- सोना चुराया तो उसे किसके पास रखा गया।
- दरवाजा तोड़ने का वीडियो घटना के इतने दिन बाद क्यों वायरल हुआ।
- सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी से भी बयान लिए जाएंगे।

# पूर्व महिला बैंक प्रबंधक ने गंभीर आरोप लगाए, अफसरों के खिलाफ शिकायत

### जनसुनवाई में पहुंची पीड़िता, निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की

**इंदौर।** एक निजी बैंक की पूर्व महिला प्रबंधक ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए। पीड़िता ने मंगलवार को कलेक्टर के समक्ष जनसुनवाई में आवेदन देकर न्याय की मांग की। शिकायत में कार्यस्थल पर अभद्र व्यवहार, नौकरी छोड़ने के बाद बकाया राशि रोकने और धमकाने जैसे आरोप शामिल हैं। चोइथराम मंडी शाखा में 'ऑपरेशन हेड' के रूप में कार्य कर चुकी निहारिका (बदला हुआ नाम) ने बताया कि उन्होंने फरवरी 2023 से मई 2025 तक काम किया। इस दौरान उनका प्रदर्शन बेहतर रहा और उन्हें उच्च मूल्यांकन के साथ कई पुरस्कार भी मिले, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार प्रताड़ना झेलनी पड़ी। पीड़िता का आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारी उन्हें केबिन में बुलाकर अश्लील इशारे करते और दोहरे अर्थ वाली बातें करते थे। मासिक धर्म के दौरान भी उन्हें घंटों खड़ा रखकर बैठक ली जाती थी, जबकि बैठने की अनुमति नहीं दी जाती थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अनिवार्य अवकाश तक नहीं दिए जाते थे।

### भविष्य खराब करने की धमकी

पीड़िता ने आरोप लगाया कि श्रम कार्यालय के बाहर उन्हें खुलेआम धमकी दी गई कि उनका करियर बर्बाद कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें भोपाल और जबलपुर के चक्कर लगवाकर मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है, ताकि वे शिकायत वापस ले लें। उन्होंने बताया कि नौकरी के दौरान डर के कारण वह चुप रहीं, क्योंकि उन्हें वेतन रोकने और भविष्य खराब करने की धमकी मिलती थी। अब शासन की महिला सुरक्षा व्यवस्था और 'शी-बॉक्स' पोर्टल से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी बात सामने रखी है।

### नौकरी से इस्तीफ़ा दिया

स्थिति से परेशान होकर निहारिका ने इस्तीफा दे दिया और तीन महीने की नोटिस अवधि भी पूरी की। लेकिन, इस दौरान भी मानसिक दबाव बना रहा। उनका कहना है कि बकाया प्रोत्साहन राशि मांगने पर क्षेत्रीय और जोनल स्तर के अधिकारियों ने भुगतान रोक दिया। श्रम अधिकारी के समक्ष शिकायत करने पर भी बैंक पक्ष के लोग मध्यस्थता बैठक में शामिल नहीं हुए।

### प्रोत्साहन राशि देने से इंकार

आवेदन में मानव संसाधन प्रमुख प्रवीण चंद्रा और उप मानव संसाधन अधिकारी शिवम गुप्ता का भी उल्लेख किया गया। पीड़िता का आरोप है कि इनकी भूमिका या तो प्रताड़ना में रही या फिर उन्होंने शिकायतों को नजरअंदाज किया। पीड़िता ने यह भी कहा कि इस्तीफा देने के बाद उन्हें एक वर्ष का लगभग दो लाख रुपए का प्रोत्साहन देने से मना कर दिया गया। वर्ष 2025 से वह बैंक, श्रम कार्यालय और 'शी-बॉक्स' पोर्टल पर लगातार शिकायत कर रही हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें जनसुनवाई का सहारा लेना पड़ा। वहीं, बैंक के उप मानव संसाधन अधिकारी शिवम गुप्ता ने कहा कि उनके पास इस प्रकार के किसी शोषण की शिकायत नहीं आई है। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रोत्साहन राशि को लेकर आवेदन मिला था, लेकिन बैंक की नीति के अनुसार पीड़िता इसके लिए पात्र नहीं थीं। अन्य आरोपों की जानकारी होने से उन्होंने इनकार किया।

संपादकीय

# भारत-रूस सैन्य समझौता

पश्चिम एशिया में ईरान, अमेरिका-इजराइल के बीच जारी संघर्ष के दौरान ही भारत और रूस के बीच 'रेलोस' (इंडो रूस रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट) का लागू होना जहां भारत के लिए सुखद खबर है, वहीं पड़ोसी पाकिस्तान को इस पर जमकर मिर्ची लगी है। इसे दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रक्षा समझौता माना जा रहा है। इसके तहत संघर्ष की स्थितियों में दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्र में सेना, युद्धपोत और विमान तैनात कर सकेंगे। गौरतलब है कि रूस और भारत दशकों पुराने सहयोगी रहे हैं। समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब रूस के साथ भारत अपने रिश्ते को और बेहतर करने की कोशिश कर रहा है। भारत-रूस रेलोस समझौता बीते साल मॉस्को में साइन किया गया था। इसके अंतर्गत दोनों देशों को शुरुआती पांच सालों के लिए एक-दूसरे के इलाके में एक साथ 3 हजार तक सैनिक, पांच युद्धपोत और 10 मिलिट्री विमान तैनात करने की अनुमति रहेगी और इसे आपसी सहमति से अपने आप आगे बढ़ाया जा सकता है। समझौते के मुताबिक भारत अब रूस के मुरमांस्क और सेवेरोमोर्स्क में स्थित विशाल बंदरगाहों का उपयोग कर सकेगा। वह हिंद महासागर में भारतीय नौसेना से लॉजिस्टिक्स सहयोग की उम्मीद कर रहा है। यह समझौता रूस को ईंधन भरने, मरम्मत, कलपुर्जे और अन्य सहायता प्रदान करेगा। साथ ही यह समझौता युद्ध और शांति दोनों ही समय में लागू रहेगा, दोनों देशों को लंबी दूरी के अभियानों में पैसे और समय की बचत करने में मदद करेगा। भारत को रूसी नौसैनिक और हवाई अड्डों तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आर्कटिक क्षेत्र भी शामिल है, और रूस को भारतीय सुविधाओं तक व्यापक पहुंच की अनुमति देता है। इस समझौते की पहल आठ साल से हो रही थी। लेकिन किन्हीं कारणों से इसमें देरी होती गई। अब यह समझौता जनवरी 2026 से लागू हो चुका है, हालांकि लोगों को इसकी जानकारी अब हुई है।

भारत-रूस पारस्परिक लॉजिस्टिक्स विनिमय समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और मानवीय मिशन भी शामिल हैं। इस समझौते का पश्चिम एशिया संघर्ष और यूक्रेन युद्ध के बीच गहरा महत्व है, न केवल सैन्य कर्मियों और उपकरणों की तैनाती को नियंत्रित करता है, बल्कि लॉजिस्टिक्स (साजो-सामान) का प्रबंधन भी करता है। साथ ही यह समझौता विशेष रूप से सैन्य टुकड़ियों की तैनाती को कवर करता है, जिससे संयुक्त प्रशिक्षण, आपदा राहत और संयुक्त अभियानों की अनुमति मिली है। भारत की सुरक्षा और अंतराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव और संघर्ष की आशंकाओं के बीच यह समझौता बहुत कुछ मायने रखता है। यह अमेरिका और चीन के लिए भी चेतावनी है। इस समझौते से हमारा पड़ोसी पाकिस्तान खासा परेशान है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट डॉ. अतिया अली काजमी ने रूस-भारत समझौते पर खीज निकालते हुए कहा है कि मॉस्को गलती कर रहा है। अतिया का कहना है कि अमेरिका ने भारत पर दांव लगाया और उसके संबंध बेहतर किए लेकिन आज वह अपना रुख बदल रहा है। अब शायद रूस को भारत के बारे में धोखा हो गया है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट का कहना है कि इस क्षेत्र में आने वाली शक्ति चीन बनेगा ना कि भारत या अन्य कोई देश ताकतवर होगा। इस समझौते को अतिया काजमी ने एशिया की रणनीतिक हेजिंग (जोखिम सुरक्षा उपाय) कहा है। वैसे पाकिस्तान क्या सोचता है, यह भारत की चिंता का विषय नहीं है। हमे अपने सुरक्षा हितों की तरफ ध्यान देना होगा। भारत ने अमेरिका से पींगे बढ़ाकर देख लिया। लेकिन वहां अगर डोनाल्ड ट्रंप जैसा अस्थिर दिमाग का और बड़बोला राष्ट्रपति होगा तो अमेरिका पर रत्ती भर भी भरोसा नहीं किया जा सकता। जबकि रूस आज भी हमारा सबसे भरोसेमंद साथी है। यह समझौता भी इसी की पुष्टि है।

नजरिया



अजय कुमार

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# योगी कैबिनेट में बढ़ेगी आधी आबादी की हिस्सेदारी?

**राज्य की राजनीति हमेशा से जाति, धर्म और लिंग आधारित समीकरणों पर टिकी रही है। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालते ही हिंदुत्व और विकास के एजेंडे पर जोर दिया, लेकिन अब चुनावी दबाव में सामाजिक समावेश को प्राथमिकता मिल रही है। वर्तमान कैबिनेट में महिलाओं की संख्या सीमित है। बेबी रानी माहौर और स्वाति सिंह जैसी कुछ नेता हैं, लेकिन कुल मिलाकर प्रतिनिधित्व कमजोर पड़ता है। अगर कैबिनेट का विस्तार होता है, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश से आगरा की भाजपा सांसद डॉ. प्रोमिला कटियार या गोरखपुर की रवीना कुरेल जैसी सक्रिय महिला नेताओं को जगह मिल सकती है। पश्चिमी इलाके से मेरठ की राजकुमारी दीया या सहारनपुर की उषा सिद्धू भी दावेदार हो सकती हैं। इनमें से कई विधायक या सांसद हैं, जो जमीनी मुद्दों पर मुखर रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भाजपा ने जो प्रचार किया, उसके जवाब में यह कदम महिलाओं को संदेश देगा कि हमारी सरकार उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।**

चुनावी साल में उत्तर प्रदेश की सियासत में राजनैतिक हलचल तेज होती जा रही है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की घड़ी सिर पर आ रही है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी सरकार की ताकत को मजबूत करने के लिए कैबिनेट विस्तार की तैयारी में जुटे हैं। खास बात यह है कि इस विस्तार का केंद्र बिंदु महिला वोटरों को खुश करना हो सकता है। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक के गिरने के बाद भाजपा ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे विरोधी दलों पर महिला विरोधी होने का ऐसा तंज कसा है कि पूरा माहौल बन गया है। इसी माहौल का फायदा उठाते हुए योगी सरकार कैबिनेट में महिला मंत्रियों की संख्या बढ़ाकर मतदाताओं का दिल जीतने की कोशिश कर सकती है। न केवल महिलाएं, बल्कि ब्राह्मण, पिछड़ी जाति और दलित वोटरों को भी रिझाने के लिए इन वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व देकर सियासी समीकरण साधे जा सकते हैं। यह कदम चुनावी साल में सत्ताधारी दल की चतुराई का नमूना पेश करेगा।

राज्य की राजनीति हमेशा से जाति, धर्म और लिंग आधारित समीकरणों पर टिकी रही है। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालते ही हिंदुत्व और विकास के एजेंडे पर जोर दिया, लेकिन अब चुनावी दबाव में सामाजिक समावेश को प्राथमिकता मिल रही है। वर्तमान कैबिनेट में महिलाओं की संख्या सीमित है। बेबी रानी माहौर और स्वाति सिंह जैसी कुछ नेता हैं, लेकिन कुल मिलाकर प्रतिनिधित्व कमजोर पड़ता है। अगर कैबिनेट का विस्तार होता है, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश से आगरा की भाजपा सांसद डॉ. प्रोमिला कटियार या गोरखपुर की रवीना कुरेल जैसी सक्रिय महिला नेताओं को जगह मिल सकती है। पश्चिमी इलाके से मेरठ की राजकुमारी दीया या सहारनपुर की उषा सिद्धू भी दावेदार हो सकती हैं। इनमें से कई विधायक या सांसद हैं, जो जमीनी मुद्दों पर मुखर रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भाजपा ने जो प्रचार किया, उसके जवाब में यह कदम महिलाओं को संदेश देगा कि हमारी सरकार उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने महिला आरक्षण बिल को लेकर जो शोर मचाया, वह अब विधानसभा स्तर पर फल दे सकता है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर लगाए गए महिला विरोधी ठप्पे ने विपक्ष को रक्षात्मक बना दिया है। योगी सरकार इसी मौके को भुनाने के लिए कैबिनेट में कम से कम चार-पांच नई महिला मंत्रियों को शामिल कर सकती है। इससे ग्रामीण महिलाओं से लेकर शहरी मतदाताओं तक संदेश जाएगा कि भाजपा महिलाओं के हितों की रक्षा करेगी। उदाहरण के तौर पर, बुनकर बाहुल्य इलाकों से पिछड़ी जाति की महिलाओं को जगह देकर दोहरी रणनीति अपनाई जा सकती है। अवध क्षेत्र की लक्ष्मी चौधरी या बुंदेलखंड की सुनीता सिद्धू जैसी नेता इस फॉर्मूले में फिट बैठती हैं। कैबिनेट विस्तार से न केवल संख्या बढ़ेगी, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों और जातियों का प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित होगा। यह चुनावी लाभ के साथ-साथ सामाजिक संतुलन भी लाएगा।

लेकिन महिला वोटरों को खुश करने की रणनीति केवल संख्या पर टिकी नहीं रहेगी। इन महिला मंत्रियों को महत्वपूर्ण विभाग सौंपे जाएंगे, जैसे महिला कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा या ग्रामीण विकास। इससे साबित होगा कि यह प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। योगी सरकार पहले ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुद्लक्ष्मी योजना और पिंक बस जैसी योजनाओं से महिलाओं का विश्वास जीत चुकी है। कैबिनेट विस्तार इन प्रयासों को मजबूती देगा। विपक्षी समाजवादी पार्टी पर पिता-पुत्र की सियासत का आरोप लगाकर भाजपा महिलाओं को भावनात्मक रूप से जोड़ रही है। अखिलेश यादव सरकार के समय महिलाओं के प्रति उदासीनता के उदाहरणों को बार-बार उछाला जा रहा है। ऐसे में योगी का यह दांव विपक्ष को कटघरे में ला खड़ा करेगा।

अब बात ब्राह्मण, पिछड़ी जाति और दलित वोटरों की। उत्तर प्रदेश में ये वर्ग भाजपा की कोर वोट बैंक हैं, लेकिन हालिया लोकसभा परिणामों ने सतर्क कर दिया है। ब्राह्मण समाज में असंतोष की खबरें आ रही हैं। वर्तमान कैबिनेट में ब्राह्मणों का प्रतिनिधित्व कम है। कैबिनट विस्तार में प्रयागराज के नंद गोपाल गुप्त नंदी या कानपुर के सत्यदेव पचौरी जैसे वरिष्ठ ब्राह्मण नेताओं को जगह देकर इस गैप को भरा जा सकता है। ये नेता पार्टी के पुराने सिपाही हैं और जमीनी पकड़ रखते हैं। ब्राह्मण वोटरों को यह संदेश जाएगा कि उनकी उपेक्षा नहीं हो रही। इसी तरह पिछड़ी जाति के लिए निषाद, कुशवाहा और मौर्य समुदायों से प्रतिनिधि चुने जा सकते हैं। आजमगढ़ के शाह आलम या बहराइच के अनिल राजभर जैसे नाम चर्चा में हैं। ये वर्ग भाजपा के लिए गढ़ों में निर्णायक साबित होते हैं।

दलित वोटरों को रिझाने की चुनौती सबसे बड़ी है। बसपा की कमजोरी का फायदा उठाते हुए भाजपा ने पहले ही कई दलित नेताओं को तरजीह दी है। लेकिन कैबिनेट में आनंद स्वरूप शर्मा या बाबू सिंह कुशवाहा जैसे चेहरे जोड़कर बैंक को मजबूत किया जा सकता है। जालौन या झांसी जैसे दलित बाहुल्य क्षेत्रों से महिला दलित नेता को शामिल करना दोहरा लाभ देगा। योगी आदित्यनाथ की हिंदुत्व नीति ने इन वर्गों को एकजुट किया है, लेकिन स्थानीय स्तर पर जातिगत आकांक्षाएं भड़क रही हैं। कैबिनेट विस्तार इन्हें शांत करने का हथियार बनेगा। कुल मिलाकर 18 से 24 सदस्यों का विस्तार हो सकता है, जिसमें आठ-दस नए चेहरे महिलाओं, ब्राह्मणों, पिछड़ों और दलितों से होंगे।

यह रणनीति चुनावी साल की देरी का फायदा उठाएगी। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कैबिनेट विस्तार से नए मंत्रियों को जमीनी मुद्दों पर सक्रिय होने का मौका मिलेगा। वे विकास योजनाओं का शिलान्यास करेंगे, जनसभाओं में उतरेंगे और वोटरों से सीधा संवाद करेंगे। भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व भी इसकी हामी भर चुकी है। जेपी नड्डा और अमित शाह की राय में सामाजिक समावेश ही उत्तर प्रदेश फतह का राज है। विपक्षी एकता के बावजूद भाजपा का वोट शेयर मजबूत रहेगा। समाजवादी पार्टी की महापंचायतें और कांग्रेस की कोशिशें बेअसर साबित हो सकती हैं।

सियासी जानकार मानते हैं कि योगी आदित्यनाथ की यह चाल लंबे समय तक असरदार रहेगी। 2017 और 2022 के चुनावों में भाजपा ने इसी तरह जातिगत संतुलन साधा था। अब महिला वोटरों को केंद्र में रखकर नया अध्याय लिखा जा रहा है। राज्य की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी महिलाओं की है और उनका झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है। कैबिनेट विस्तार इसी ट्रेंड को पक्का करेगा। ब्राह्मणों का ब्राह्मण वोट, पिछड़ों का ओबीसी समर्थन और दलितों की एकजुटता मिलकर योगी सरकार को मजबूत बनाएगी। विपक्ष को अब नई रणनीति सोचनी पड़ेगी।

कैबिनेट विस्तार की अटकलें तेज हैं। लखनऊ के सियासी गलियारों में चर्चाएं जोरों पर हैं। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल की बैठकें इसी मुद्दे पर केंद्रित हो रही हैं। जल्द ही औपचारिक घोषणा हो सकती है। इससे न केवल सरकार की छवि निखरेगी, बल्कि चुनावी वैतरणी पार करना आसान होगा। उत्तर प्रदेश की सियासत में यह कदम ऐतिहासिक साबित हो सकता है। महिलाओं को सशक्त बनाना और सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देना योगी मॉडल की पहचान बनेगा। विपक्षी दलों को अब सोचना होगा कि वे कैसे जवाब दें। कुल मिलाकर, यह विस्तार सत्ताधारी दल की दूरदर्शिता का प्रमाण होगा।

# डिजिटल चमक में धुंधलाते शब्द: पुस्तकों का मौन संकट

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस पर विशेष



श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

ज्ञान की अविरल धारा और मानवीय मेधा के संचित कोष का यदि कोई सजीव प्रतीक है तो वह हैं पुस्तकें। अनादि काल से मनुष्य ने अपने अनुभवों, संवेदनाओं, शोध और कल्पनाओं को शब्दों की वर्णमाला में पिरोकर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक विरासत के रूप में सहेजकर रखा है। हालांकि आज के समय में यह प्रश्न बेहद गंभीर और चिंताजनक है कि आज के डिजिटल कोलाहल में क्या हम अपनी इस अनमोल विरासत से दूर होते जा रहे हैं? प्रत्येक वर्ष 23 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' उस सभ्यता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का क्षण है, जिसने हमें सोचने, समझने और संवाद करने की शक्ति प्रदान की। यूनेस्को द्वारा 1995 में इस दिवस की आधारशिला रखीगई थी, जिसका मूल ध्येय पुस्तकों के प्रति जनमानस में एक नवीन चेतना का संचार करना, लेखकों की बौद्धिक संपदा का सम्मान करना और मुद्रित शब्दों के जादू को अक्षुण्ण बनाए रखना था किंतु वर्तमान परिदृश्य में जब हमसामाजिक ढांचे का अवलोकन करते हैं तो पाते हैं कि पुस्तकों और पाठकों के मध्य एक अदृश्य परंतु गहरी खाई निर्मित होती जा रही है। यह विडंबना ही है कि जिस युग में सूचनाओं का अंबार लगा है, वहां ज्ञान का वास्तविक आधार 'पुस्तकें' धूल फांक रही हैं। आधुनिकता की अंधी दौड़ और तकनीक के अतिशय हस्तक्षेप ने हमारे जीवन की लय को पूरी तरह से परिवर्तित कर दिया है। आज का मनुष्य सूचनाओं के त्वरित उपभोग का अभ्यस्त हो चुका है। स्मार्टफोन की नीली रोशनी और कंप्यूटर की स्क्रीन ने हमारी आंखों को तो व्यस्त रखा है किंतु मस्तिष्क की उर्वरता और कल्पनाशीलता को संकुचित कर दिया है। इंटरनेट से प्राप्त होने वाली जानकारियां अक्सर खंडित और सतही होती हैं, जिन्हें हमारा मस्तिष्क एक मूकदर्शक की भांति केवल ग्रहण करता है। इसके विपरीत, एक पुस्तक को पढ़ना केवल शब्दों को देखना नहीं बल्कि एक सक्रिय मानसिक प्रक्रिया है। पुस्तक पढ़ने के लिए जिस एकाग्रता, धैर्य और श्रम की आवश्यकता होती है, वह हमारे विचारों की धार को पैना करती है। जब हम कोई उपन्यास या गंभीर दार्शनिक ग्रंथ पढ़ते हैं तो हमारा मस्तिष्क लेखक द्वारा सृजित दृश्यों की अपनी कल्पना से रचना करता है। यह प्रक्रिया हमारी सृजनात्मक क्षमता को वह विस्तार देती है, जो किसी भी डिजिटल माध्यम के लिए असंभव है। टीवी और सोशल मीडिया के आभासी संसार में रचे-बसे वर्तमान समाज को आज यह समझने की आवश्यकता है कि पुस्तकों का विकल्प कोई भी यंत्र नहीं हो सकता। पुस्तकों की महत्ता केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं है बल्कि ये हमारी भावनाओं की संरक्षक और एकांत की सर्वश्रेष्ठ सहचरी भी हैं। जीवन के उस कठिन मोड़ पर, जब व्यक्ति स्वयं को अकेला, हताश या उदास अनुभव करता है तो एक अच्छी पुस्तक एक सच्चे मित्र की भांति मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है। पुस्तकों के भीतर जो संसार बसता है, वह हमें हमारे दुखों से बाहर निकालकर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। महान अमेरिकी इतिहासकार बारबरा डब्ल्यू तुचमन ने यथार्थ ही कहा था कि पुस्तकें सभ्यता की वह वाहक हैं, जिनके बिना इतिहास मौन है, साहित्य गूंगा है और विज्ञान अपंग है। विचार और तर्क का स्पंदन केवल उन्हीं पन्नों पर जीवित रह सकता है, जिन्हें हम अपनी उंगलियों से स्पर्श करते हैं। यदि पुस्तकें न हों तो मनुष्य की प्रगति का कोई साक्ष्य शेष नहीं रहेगा और हमारी संस्कृतियां अपनी पहचान खो देंगी। पुस्तकें विभिन्न भाषाओं और पहचानों के मध्य एक सेतु का निर्माण करती हैं, जो हमें एक सामान्य मानवीय विरासत से जोड़ती हैं। यदि भारतीय परिप्रेक्ष्य में दृष्टि डालें तो राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'विश्व पुस्तक मेला' एक सराहनीय उत्सव की भांति प्रतीत होता है। यह मेला मुद्रित दुनिया की शक्ति को पुनर्जीवित करने का एक मंच है, जहां पाठक और लेखक का प्रत्यक्ष मिलन होता है। किंतु विचारणीय पक्ष यह है कि क्या साल में एक बार होने वाला यह भव्य आयोजन हिंदी भाषी समाज और ग्रामीण अंचलों में पुस्तकों के प्रति लुप्त होते प्रेम को वापस ला सकता है? हिंदी पुस्तकों की पहुंच आज भी उस आम पाठक तक नहीं हो पा रही है, जो साहित्य का वास्तविक रसास्वादन करना चाहता है। केवल प्रदर्शनियों और मेलों से ऊपर उठकर हमें पुस्तकालय संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। विद्यालयों और स्थानीय निकायों के पुस्तकालयों की वर्तमान दशा अत्यंतशोचनीय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में जिस समृद्ध पुस्तकालय प्रणाली और स्थानीय भाषाओं में बाल साहित्य की उपलब्धता का स्वप्न देखा गया था, वह धरातल पर अभी भी उपेक्षा का शिकार है।

विशेषकर बच्चों के संदर्भ में यह स्थिति और भी भयावह है। बाल्यकाल वह अवस्था है, जहां जिज्ञासा के अंकुर फूटते हैं। यदि इस आयु में बच्चों को प्रेरणादायक बाल साहित्य और रोचक ज्ञानवर्धक पुस्तकों से वंचित रखा गया तो उनका मानसिक और सामाजिक विकास अधूरा रह जाएगा। आंकड़ों के आइने में देखें तो झारखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के स्कूलों में पुस्तकों की उपलब्धता और रखरखाव को लेकर जो उदासीनता है, वह हमारे भविष्य के प्रति एक गंभीर चूक है। लाखों का बजट आवंटित होने के बावजूद यदि पुस्तकें दीमकों का आहार बन रही हैं तो यह हमारी बौद्धिक संपदा का आपराधिक अपव्यय है। जब तक विद्यालय स्तर पर पुस्तकों के प्रति आकर्षण पैदा नहीं किया जाएगा, तब तक हम एक प्रबुद्ध समाज की कल्पना नहीं कर सकते। पुस्तकालय किसी भी शिक्षण संस्थान का हृदय होते हैं और यदि हृदय ही निष्प्राण हो जाए तो ज्ञान का प्रवाह स्वतः ही रुक जाएगा।

पुस्तकों के प्रति इस कम होते लगाव का एक बड़ा कारण हमारी जीवनशैली की प्राथमिकताएं भी हैं। हम भौतिक सुख-सुविधाओं के संचय में इतने व्यस्त हो गए हैं कि हमने अपने घरों में 'बुकशेल्फ' के लिए स्थान बनाना छोड़ दिया है। एक समय था, जब घरों में छोटी ही सही पर एक लाइब्रेरी हुआ करती थी, जिसे परिवार की प्रतिष्ठा और बौद्धिक संपन्नता का प्रतीक माना जाता था। आज ड्राइंग रूम में विशाल टीवी तो है पर महान विचारकों की कृतियों का अभाव है। हमें समझना होगा कि अच्छी पुस्तकें युवा पीढ़ी को न केवल ज्ञानवान बनाती हैं बल्कि उनमें संस्कारों और चरित्र का निर्माण भी करती हैं। वे हमें नैतिकता की शिक्षा देती हैं और भिन्न संस्कृतियों के प्रति सहिष्णु बनाना सिखाती हैं। पुस्तक एक ऐसी खिड़की है, जिससे बाहर झांककर हम पूरे ब्रह्मांड का अवलोकन कर सकते हैं। जरूरी है कि हम डिजिटल दासता से मुक्त होकर पुनः मुद्रित अक्षरों की सुगंध की ओर लौटें। यह केवल व्यक्तिगत विकास का प्रश्न नहीं है बल्कि एक पूरी सभ्यता को बौद्धिक पतन से बचाने की चुनौती है।

जिस दिन हम अपनी संतान के हाथ में स्मार्टफोन के स्थान पर एक उत्कृष्ट पुस्तक थमा देंगे, उसी दिन से रचनात्मकता के नए क्षितिज का विस्तार आरंभ हो जाएगा। पुस्तकों के साथ हमारा संवाद ही वह अंतिम रक्षा कवच है, जो हमें इस यांत्रिक युग में 'मानव' बनाए रख सकता है। हमें संकल्प लेना होगा कि हम पुस्तकों को सजावट की वस्तु नहीं बल्कि अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएंगे। 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' की सार्थकता तभी है, जब हम हर दिन कम से कम एक पृष्ठ पलटें और उस शांतिपूर्ण ज्ञान का अनुभव करें, जो केवल कागज और स्याही के मेल से संभव है। साहित्य की यह मशाल बुझनी नहीं चाहिए क्योंकि इसके बुझने का अर्थ होगा, विचारों की मृत्यु और विवेक का अंत।

# अर्थनीति, कूटनीति और छवि का पुनर्पाठ

अस्थिर विश्व में भारत



अरुण कुमार डनायक

लेखक समाजसेवी हैं।

वैश्विक परिदृश्य में इस्रायल, अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी के अंत में भड़के युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गहरे अस्थिरता के दौर में धकेल दिया, जिससे भारत भी अप्रभावित नहीं रहा। यद्यपि सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सरकार को सहयोग का आश्वासन दिया और ईरान से संवाद स्थापित कर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही सुनिश्चित करने में आंशिक सफलता मिली, जिससे ऊर्जा संकट को काफी हद तक टाला जा सका, फिर भी महंगाई, बेरोजगारी और शेयर बाज़ार में आई तीव्र गिरावट ने आम नागरिकों को आर्थिक रूप से प्रभावित किया, जिसकी भरपाई में समय लगेगा। इसी कालखंड में कुछ वैश्विक घटनाएँ भारत के लिए मिश्रित संकेत लेकर आईं, जो यह दर्शाती हैं कि वर्तमान अंतराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति, आर्थिक सुदृढ़ता और वैश्विक भूमिका—तीनों पर गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता का आरंभ एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस संदर्भ में विदेश मंत्री की तात्कालिक प्रतिक्रिया बौद्धिक वर्ग में व्यापक स्वीकृति नहीं पा सकी। विदेश मंत्री जैसे राजनीतिक पद से स्वाभाविक रूप से अधिक संवेदनशील और व्यापक दृष्टिकोण की अपेक्षा होती है। ऐसे में उनका हालिया वक्तव्य अधिक उपयुक्त किसी पेशेवर राजनयिक के मुख से प्रतीत होता है—शायद यही कारण है कि पूर्व विदेश सचिव की उनकी प्रशासनिक दृष्टि अब भी उनके कथनों में झलकती है, जबकि मंत्री पद उससे कहीं अधिक राजनीतिक सूझबूझ की मांग करता है। यह स्थिति कहीं न कहीं भारत की कूटनीतिक सीमाओं को भी उजागर करती है, क्योंकि प्रधानमंत्री की विभिन्न वैश्विक नेताओं से निकटता के बावजूद भारत इस शांति पहल में निर्णायक भूमिका हेतु आवश्यक विश्वास और प्रभाव अर्जित नहीं कर सका।

पिछले एक दशक में जब-जब विश्व में संघर्ष और अशांति बढ़ी, प्रधानमंत्री द्वारा 'यह युद्ध का युग नहीं है' की बात तो बार-बार कही गई, किंतु उसके अनुरूप कोई ठोस शांति-योजना सामने नहीं आई। संयुक्त राष्ट्र में युद्धविराम प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाकर भारत ने तटस्थता का संकेत देने का प्रयास किया, परंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक हिस्से ने इसे निष्पक्षता के बजाय अनिर्णय के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, जहाँ नेहरू युग में भारत कोरियाई और वियतनामी संकटों में मध्यस्थता के लिए जाना जाता था, वहीं आज उसकी वह भूमिका अपेक्षाकृत सीमित हो गई है। टाइम पत्रिका की 100 सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में रणबीर कपूर (अभिनेता), सुंदर पिचाई (सीईओ गूगल) और विकास खन्ना (पाककला) जैसे भारतीयों का शामिल होना निस्संदेह गौरव का विषय है; किंतु पाँच बार इस सूची में स्थान पा चुके प्रधानमंत्री मोदी का इस बार अनुपस्थित रहनाविशेष रूप से तब ध्यान आकर्षित करता है, जब नेपाल और बांग्लादेश के अपेक्षाकृत नए नेतृत्व को इसमें स्थान मिला है। यह स्थिति भारत की उस उभरती वैश्विक छवि पर स्वाभाविक प्रश्न उठाती है, जिसे घरेलू विमर्श में बार-बार रेखांकित किया जाता रहा है, और अंतराष्ट्रीय मान्यता व घरेलू दावों के बीच उभरती दूरी की ओर संकेत करती है। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान चौथे से छठे पर खिसकना ध्यान आकर्षित करता है। इस उतार-चढ़ाव को समझने के लिए दो प्रमुख कारक—जीडीपी के आधार वर्ष में परिवर्तन और रुपये पर बढ़ता दबाव—महत्वपूर्ण हैं। जीडीपी का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 करना भले ही एक तकनीकी सुधार हो, किंतु इससे अर्थव्यवस्था का आकार अपेक्षाकृत छोटा दिखाई देने लगा, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक स्थिति की धारणा प्रभावित हुई। इटली सहित यूरोप के कई देशों में सरकार और जनता के स्तर पर इज़रायल के प्रति रुख में आया बदलाव यह संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति में अब अंध-समर्थन के बजाय मानवीय और नैतिक प्रश्न अधिक प्रभावी हो रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत की पश्चिम एशिया नीति, जो औपचारिक रूप से 'संतुलन' पर आधारित कही जाती है, व्यवहार में कई बार अस्पष्ट और अवसरवादी प्रतीत होती है। एक ओर इज़रायल के साथ बढ़ता रणनीतिक सहयोग है, तो दूसरी ओर अरब देशों के साथ ऊर्जा और प्रवासी हितों की अनिवार्यता—परंतु इनके बीच अपेक्षित नैतिक स्पष्टता का अभाव दिखता है। घरेलू स्तर पर उभरने वाली सांप्रदायिक घटनाएँ मुस्लिम जगत में भारत कीछवि को प्रभावित करती हैं, जिससे विश्वास में सूक्ष्म दरारें पड़ती हैं। ईरान द्वारा तेल टैंकरों को अनुमति देने के संदर्भ में 'जनसमर्थन' का उल्लेख भी संकेत देता है कि वह केवल सरकार नहीं, बल्कि भारतीय समाज और जनमत को भी संबोधित करना चाहता है—अर्थात् कूटनीति में सामाजिक धारणा की भूमिका बढ़ती जा रही है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए आवश्यक है कि वह अपनी पश्चिम एशिया नीति को अधिक स्पष्ट, सुसंगत और नैतिक आधार प्रदान करे, ताकि बढ़ती भू-राजनीतिक जटिलताओं के बीच उसकी रणनीतिक स्थिति विश्वसनीय और संतुलित बनी रहे; अन्यथा 'रणनीतिक स्वायत्तता' की अवधारणा केवल एक औपचारिक और प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति बनकर रह जायेगी। हंगरी में दक्षिणपंथी सरकार का प्रभाव कमज़ोर होना यह संकेत देता है कि लंबे समय तक एक वैचारिक धारा के प्रभुत्व के बाद मतदाता बदलाव की ओर झुकते हैं, विशेषकर जब आर्थिक, लोकतांत्रिक या संस्थागत मुद्दे उभरते हैं। वहीं नेपाल में सत्ता परिवर्तन प्रायः आंतरिक अस्थिरता और गठबंधन-राजनीति का परिणाम है, जहाँ विचारधारा से अधिक सत्ता-समीकरण निर्णायक रहते हैं। ये घटनाएँ दर्शाती हैं कि आज के मतदाता केवल वैचारिक अपील नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, आर्थिक प्रदर्शन और अंतराष्ट्रीय छवि जैसे ठोस पहलुओं पर निर्णय लेते हैं।

अंततः, बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के समक्ष चुनौती केवल आर्थिक या कूटनीतिक नहीं, बल्कि अपनी विश्वसनीयता और नैरेटिव के पुनर्संतुलन की भी है, और यही संतुलन उसकी वास्तविक वैश्विक भूमिका को आकार देगा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य



डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# अजब गजब प्रचार से अजब गजब ढहाते उम्मीदवार

हमारी कॉलोनी में दो जुड़वा भाई रहते हैं जब एक जैसे चेहरे,कद,काठी के दोनों हुए तो माता-पिता ने उनमें से एक का नाम अजब और दूसरे का नाम गजब रख दिया । इनका नाम अजब गजब इसलिए रखा कि कलयुग में अजब गजब की यह जोड़ी अजब गजब धूम मचाएगी । इस तरह अजब और गजब तरह-तरह के नुस्खे इजाद करने लगे। अजब गजब, अजब- गजब,तरीके अपनाने लगे। कुल मिलाकर अजब गजब अनेक क्षेत्रों में रोल मॉडल बन गए !

अजब गजब का इतना मर्तबा बढ़ गया कि घर में, ऑफिस में ,व्यापार में, सामाजिक कार्य में, आध्यात्मिक रूझान में,आर्थिक क्षेत्र में, यहां तक की राजनीति में भी अजब गजब की तरह अजब - गजब तरीके अपनाए जाने लगे । जब राजनीति में सत्ता में आने के लिए रेवड़ी कल्चर चला तो माले मुफ्त,दिल ए बेरहम और मुफ्त खोरी के कारण जिन्हें सत्ता हासिल नहीं हुई वे लोग धिक्कारने लगे। लेकिन इस कल्चर को छोड़,अजब गजब, कल्चर को कुछ उम्मीदवारों ने अपनाया तो जो उम्मीदवार अपनी,अजब गजब,हरकत नहीं करने से राजनीति से जो बाहर हो रहे थे उनके जीवन में, बहार, आ गई। चाहे छोटा चुनाव हो या बड़ा अजब गजब तरीकों से उम्मीदवार.चुनाव जीतने में लग गए। अभी चल रहे चुनाव में उम्मीदवारों ने ,अजब गजब, प्रचार किया। और अजब गजब से अजब गजब ढहाने लगे । उन्होंने जनसंपर्क का अजब गजब तरीका अपनाया,वोटर को लुभाने के लिए कोई उम्मीदवार पकोड़े तल रहा हैं और इस अजब गजब हरकत को अजब गजब तरीके से देख कुछ उम्मीदवार घर में चूल्हे चौके में जाकर रोटियां बेल रहे है वे रोटी बेल कर अलग-अलग तरीके से अपने विरोधी उम्मीदवार के चुनाव के बाद बेल,न होने और जेल में पहुचाने की अजब गजब बातें पेल रहे है । एक ने तो अजब गजब की पराकाष्ठा कर दी,वह सड़क किनारे बैठकर लोगों की हजामत बनाने का अजब गजब खेल करने लगा। चुनाव में उसने दाढ़ी में हाथ डालने से लेकर दाढ़ी बनाने तक का अजब गजब. तरीका अपनाया। एक उम्मीदवार को अजब गजब सोच आया । वह नेत्र विशेषज्ञ होने से आंखों की जांच कर मतदाता की वोट देने की नजर भापने के लिए आंखों का इलाज कर रहा। यही नहीं कोई उम्मीदवार अजब गजब राजस्थानी,कश्मीरी ढोल से चर्चित हो रहे है । कोई अपने चुनाव चिन्ह को गले में स्टेथ स्कोप की तरह लगाकर बीमार की फीस नहीं लेकर मतदाताओं को फांस रहे हैं। अजब गजब चुनाव प्रचार को देखकर छूट भैया से माननीय बनने की इन जुड़वा अजब गजब भाइयों ने जब चुनाव लड़ने की ठानी तो अजब गजब तौर तरीकों से चुनाव जीत गए। फिर क्या था अब दोनों एक जैसे सफेद चक, कलफदार कपड़े पहनने लगे,एक जैसी दाढ़ी कटिंग ,एक जैसे शूज, वे जब अजब गजब दिखने से चर्चा में आने लगे तो उन्होंने हर जगह निमंत्रण आने लगे अजब गजब की जोड़ी जब अभी अतिथि के रूप में जाकर अजब गजब हरकत करती तो लोग अजब गजब ठहाके लगाकर उनके अजब गजब जलवे को और प्रभावी बना देते हैं । अजब गजब हमेशा इसलिए खुश रहते हैं की अजब प्रेम की गजब कहानी इन्हीं को लेकर बनी है और गजब है तेरी माया इसे कोई समझ नहीं पाया, जब अजब जुदा तो गजब भी जुदा रहता। अजब के साथ गजब की हरकतों ने अनेक फैसले और हकीकतों का गजब आईना लोगो को बता दिया। अजब गजब दुनिया में अजब गजब के आइकॉन हो गए ।

अजब गजब में से अजब, जब अजब की ड्रेस पहन कर गजब की भीड़ में पहुंचा तो अजब पॉजिटिव लगने लगा और गजब, गजब की भीड़ के कारण नेगेटिव दिखने लगा। इस तरह अजब गजब के खेल ने अजब गजब के दौर में हर कदम अजब तौर पर उठा कर गजब ढहा दिया !

# जन प्रतिनिधित्व करते हैं ग्रामीण संवाददाता

दृष्टिकोण
राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।



**ग्रामीण अंचल से जो खबरें छन-छन कर आती है, उसके भावार्थ को यथावत रखते हुए समाचार संपादकों द्वारा तराशकर समाचार पत्रों में परोसा जाता है। इस संपूर्ण प्रक्रिया में सूत्रधार के रूप में समाचार पत्रों के स्थानीय प्रतिनिधि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। राजनीतिक तथा प्रशासनिक कोपदृष्टि का कोपभाजन बनते हुए भी बिना किसी विशेष प्रशिक्षण के इनप्रतिनिधि या संवाददाताओं द्वारा पत्रकारिता धर्म का निर्वहन बड़ी ही शिद्दत के साथ किया जाता है। जाने-अनजाने में अपनी ही गलतियों से सीखा जाता है। वरिष्ठ नागरिकों तथा प्रबुद्ध पाठकों से मिलता प्रोत्साहन, इस वर्ग का उत्साहवर्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया करता है। अपने अनुभव से त्रुटि सुधार के साथ-साथ पत्रकारिता धर्म के निर्वहन में नव प्रयोग करने की दिशा में भी यह वर्ग तत्पर नजर आता है। यही नहीं अपितु शहरी पत्रकारिता की तुलना में ग्रामीण पत्रकारिता अधिक जोखिमपूर्ण रहा करती है।**

वैसे तो कथित तौर पर जनमत के बहुमत से विभिन्न सदन हेतु निर्वाचित प्रतिनिधि तथा तमाम शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को जन सेवक की श्रेणी में शुमार किया जाता है। लेकिन आमतौर पर देखा गया है कि राजनीतिक या प्रशासनिक अधिकार प्राप्त होने के उपरांत इस वर्ग की मानसिकता कुछ अलग हो जाती है। जिसके चलते आम नागरिकों में समय-समय पर आक्रोश या शिकायत के स्वर मुखर होते देखे जा सकते हैं। हालांकि ऐसा अपवाद स्वरूप घटित होता दिखाई देता है। लेकिन इन दिनों सत्ता एवं अधिकार मद में आकंठ लिप्त परिजनों की मनमानी के समाचार भी आए दिन मीडियाई सुर्खियों में रहने लगे हैं।

उक्त स्थिति पर प्रभावी अंकुश लगाने की दृष्टि से विभिन्न समाचार पत्रों के ग्रामीण एवं कस्बाई संवाददाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। आजकल के दौर में ठेठ देहाती अंचलों तक भी संवाददाताओं की पहुंच आसान हो गई है। जिसके चलते कहीं भी किसी प्रकार की अति होने पर तत्काल प्रभाव से संपूर्ण घटनाक्रम इन संवाददाताओं के संज्ञान में आ जाया करता है। दूसरी ओर शिक्षा एवं संचार माध्यमों की सुलभता के चलते ठेठ ग्रामीण अंचलों के लोग भी अपने अधिकार एवं कर्तव्यों की लड़ाई लड़ने को आतुर होने लगे हैं। इन परिस्थितियों में व्यवस्था की मनमानी के खिलाफआवाज बुलंद करने में इन संवाददाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका निकल कर आती है।

अन्यथा बीते समय में एक दौर वह भी था जब विभिन्न समाचार पत्र ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्र में बहुत कम मात्रा में वितरित होते थे। लेकिन आजकल के दौर में छोटे-छोटे नगर, कस्बे तथा ग्रामीण परिवेश में बड़ी मात्रा में विभिन्न समाचार पत्र वितरित होते हैं। तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो शहरी पाठकों की तुलना में नगरीय एवं ग्रामीण परिवेश के पाठक अपने समाचार पत्र को बहुत गंभीरता तथा बारीकी के साथ पढ़ा करते हैं। पाठकों का यह वर्ग उन तमाम खबरों पर नजर रखता हैं, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्हें प्रभावित कर सकती है। दरअसल दुनिया जहान का ज्ञानअर्जन करने में ग्रामीणों का जिज्ञासु भाव स्वाभाविक रूप से अधिक होता है।

ग्रामीण तथा कस्बाई क्षेत्र के नागरिकों के इन्हीं वर्ग की ओर से स्थानीय शख्सियत, समाचार पत्र के प्रतिनिधि या संवाददाता के रूपमें अपना समय व श्रम देकर पत्रकारिता धर्म का परिपालन करती हैं। ग्रामीण अंचल से जो खबरें छन-छन कर आती है, उसके भावार्थ को यथावत रखते हुए समाचार संपादकों द्वारा तराशकर समाचार पत्रों में परोसा जाता है। इस संपूर्ण प्रक्रिया में सूत्रधार के रूप में समाचार पत्रों के स्थानीय प्रतिनिधि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। राजनीतिक तथा प्रशासनिक कोपदृष्टि का कोपभाजन बनते हुए भी बिना किसी विशेष प्रशिक्षण के इन प्रतिनिधि या संवाददाताओं द्वारा पत्रकारिता धर्म का निर्वहन बड़ी ही शिद्दत के साथ किया जाता है।

जाने-अनजाने में अपनी ही गलतियों से सीखा जाता है। वरिष्ठ नागरिकों तथा प्रबुद्ध पाठकों से मिलता प्रोत्साहन, इस वर्ग का उत्साहवर्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया करता है। अपनेअनुभव से त्रुटि सुधार के साथ-साथ पत्रकारिता धर्म के निर्वहन में नव प्रयोग करने की दिशा में भी यह वर्ग तत्पर नजर आता है। यही नहीं अपितु शहरी पत्रकारिता की तुलना में ग्रामीण पत्रकारिता अधिक जोखिमपूर्ण रहाकरती है। बिना किसी अतिरिक्त संरक्षण व सुविधा के क्षेत्रीय खबरों को समाचार पत्र तक प्रेषित करने तक की प्रक्रिया स्वयं की जोखिम पर ही निर्भर होती है। कभी-कभी विस्फोटक समाचार प्रेषित करने का जोखिम भरा कदम अपने ही विवेक से निर्धारित करना होता है।



इन प्रतिनिधि या संवाददाताओं को पाठकों की ओर से मिलती सकारात्मक प्रतिक्रियाएं इनमें अतिरिक्त ऊर्जा का संचार करने में सहायक सिद्ध होती है। आजकल के दौर में महानगरों से निकलने वाले विभिन्न समाचार पत्रों की कुल पाठक संख्या में ग्रामीण परिवेश के पाठकों की बहुतायत है। दरअसल शहरी जनजीवन अत्यधिक व्यस्तता भरा होता है लेकिन ग्रामीण परिवेशमें समय की उपलब्धता सहज स्वाभाविक रूप से हुआ करती है। जिसके चलतेग्रामीण पाठक अपने समाचार पत्र पर अधिक गंभीरता के साथ ध्यान केंद्रित करपाता है। जिसके चलते ग्रामीण परिवेश के पाठकों की तर्कशक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

आजकल के दौर में गांव की चौपाल पर अंतरराष्ट्रीय चर्चा कोई बड़ी बात नहीं है। यही नहीं अपितु राजनीतिक, सामाजिक, व्यावसायिक, सांस्कृतिक तथा अन्यान्य क्षेत्र की तमाम गतिविधियों से ग्रामीण पाठक अवगत होने लगा है। राजनीतिक घटनाओं के निहितार्थ की गंभीर समझ भी ग्रामीण पाठक रखने लगा है। व्यवहार में देखा गया है कि जिस दिन समाचार पत्र काअवकाश रहता है, शहरी पाठक तो अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों को मूर्त रूप देने में व्यस्त हो जाता है लेकिन ग्रामीण पाठक एक प्रकार की बेचैनी का अनुभव किया करता है। यह स्थिति दर्शाती है कि समाचार पत्र का पठन-पाठन ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण अंग बन गयाहै।

व्यवहार में देखा गया है कि स्थानीय छोटे बड़े जनप्रतिनिधि, तमाम शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी इन प्रतिनिधि या संवाददाताओं की क्षेत्र में सक्रिय उपस्थिति के चलते अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन के प्रति सचेत रहा करते हैं। जिसका मिला-जुला परिणाम यह होता है कि छोटी-मोटी समस्याएं तो इन प्रतिनिधि या संवाददाताओं के हस्तक्षेप य उपस्थिति मात्र से ही हल हो जाती है। जिसके चलते इनकी समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निकलकर आती है। आमतौर पर प्रतिकूल परिस्थितियों में भी लगभग शौकिया तौर पर पत्रकारिता करते हुए ग्रामीण अंचलों में समाज सेवा का लक्ष्य भी जुड़ा होता है। अन्यथा आर्थिक दृष्टि से तो इस कार्य में कोई बहुत अधिक संभावना नहीं होती।

लेकिन जिनमें जुनून होता है, समाजसेवा का जज्बा मन में होता है और जनहित के प्रति समर्पित मानसिकता होती है, वही शख्सियत किसी एक अखबार की एजेंसी प्राप्त कर उस सुखद अनुभूति से रूबरू होना चाहती है, जो कुछ अतिरिक्त सम्मान उन्हें दे सकती है। जाहिर है शौक पूरा करने के लिए उठाया गया कदम, उन्हें एक जनहित के प्रति समर्पित शख्सियत के रूप में स्थापित कर देता है। वास्तव में ग्रामीण पत्रकारिता समाचार पत्र के प्रतिनिधि या संवाददाताओं को एक ऐसा सुकून देती है जिसे शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त नहीं किया जा सकता। लेकिन हां, उस दिव्य अनुभूति को मात्र अनुभव किया जा सकता है।

अनेक अवसरों पर क्षेत्रीय नागरिकों के लिए यह वर्ग काफी हद तक संकटमोचक भी सिद्ध होता हैं। हालांकि निष्पक्ष भाव से पत्रकारिता धर्म का परिपालन करने के खतरे शहरों की तुलना में ग्रामीण परिवेश में अधिक है। लेकिन फिर भी ग्रामीण पत्रकारिता की झलक विभिन्न समाचार पत्रों में दिखाई देती है। ऐसे में यह और भी अधिक आवश्यक हो जाता है कि ग्रामीण अंचलों में क्षेत्रीय पत्रकार संगठित अवस्था में रहे। बेहतर होगा यदि विभिन्न प्रकाशन संस्थान ग्रामीण एवं कस्बाई पत्रकारिता में सक्रिय वर्ग को पर्याप्त आवश्यक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था एकल या सामूहिक रूप से करें।

# जगतगुरु आद्य शंकराचार्य का जीवन एवं शिक्षा दर्शन

विचार
गिरीश जोशी
संस्कृति अध्येता
एवं स्तंभकार



शारदा पीठ कश्मीर स्थित भारतीय संस्कृति का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मुख्य केंद्र था, यहां पर मां सरस्वती का अत्यंत प्राचीन मंदिर हुआ करता था। इस मंदिर में एक सर्वज्ञ नामक पीठ था। इस पीठ पर आसीन होने के लिए व्यक्ति का सर्व शास्त्रों में पारंगत होना, पराविद्या का विशेषज्ञ होना तथा ब्रह्म ज्ञान में प्रतिष्ठित होना अनिवार्य था। इस पीठ पर आरूढ़ होने की अभिलाषा से आने वाले विद्वान को मंदिर के चारों मुख्य द्वारों पर बैठे हुए विभिन्न मत संप्रदायों के प्रकांड पंडितों से शास्त्रार्थ करना होता था। उन्हें अपने मत से सहमत करने के बाद ही मंदिर में प्रवेश की अनुमति मिला करती थी। इस शर्त के अलावा एक और महत्वपूर्ण शर्त थी। मंदिर में प्रवेश करने के बाद पीठ पर आरूढ़ होने के लिए मां शारदा स्वयं देववाणी से उस व्यक्ति के सर्वज्ञ होने की घोषणा किया करती थी। उसके बाद ही वहव्यक्ति शारदा पीठ पर विराजमान हो सकता था। अनेक बार अनेक विद्वान दूर-दूर से इस पीठ पर आरूढ़ होने की अभिलाषा सेआया करते। कोई शास्त्रार्थ में पराजित हो जाता तो किसी को मां शारदा काआशीर्वाद नहीं मिलता। अपने शिष्यों के आग्रह पर आचार्य शंकर इस पीठ पर विराजित होने की अभिलाषा से कश्मीर पहुंचे। मंदिर के चारों द्वारों पर वैशेषिक, न्यायिक, सांख्य, मीमांसक, सौतांत्रिक, वैभाषिक, योगाचारी, माध्यमिक, जैन आदि मतों को मानने वाले विद्वान जमा थे,आचार्य का उन से शास्त्रार्थ आरंभ हुआ। शास्त्रार्थ की कुछ बानगी यहाँ देखते हैं। गौतम मतावलंबी न्यायिक पंडितों ने पूछा कि कणाद और गौतम के मतों में मुक्ति के संदर्भ में क्या भेद हैं? आचार्य ने उत्तर दिया कणाद के मतानुसार आत्मा मुक्ति की अवस्था में विशेष गुण रहित होकर पुनरुत्पत्ति की संभावना से मुक्त होकर आकाश की तरह निसंग एवं निष्क्रिय भाव से विराजित होती है। वही गौतम के मतानुसार आत्मा मुक्त अवस्था में आनंद व सत्य से युक्त होकर स्थित रहती है।

अब सांख्यवादी आगे आए उन्होंने पूछा कि सांख्य मत के अनुसार मूल प्रकृतिमें विश्व प्रपंच का जो कारण तत्व है वह स्वतंत्र है या चिदात्मा पुरुष के अधीन है? आचार्य ने उत्तर दिया- त्रिगुणात्मक नामरूप की विशेषताओं वाली मूल प्रकृति कपिल के मतानुसार स्वतंत्र है। इसके द्वारा ही विश्व के प्रपंच का आविर्भाव होता है। यही स्वतंत्र मूल प्रकृति संसार के अस्तित्व का कारण है,लेकिन वेदांत के अनुसार मूल प्रकृति माया चैतन्य ब्रह्म के अधीन हैं।

दोनों पक्षों के मध्य अनेक क्लिष्ट विषयों पर शास्त्रार्थ चलता रहा। आचार्य के तर्क सुनकर सांख्यवादी भी संतुष्ट हुए अगली बारी बौद्धों की थी।उस समय बौद्ध धर्म के चार संप्रदाय थे माध्यमिक, योगाचार्य,सौतांत्रिक और वैभाषीक। बौद्ध विद्वानों ने पूछा हमारे चारों संप्रदाय में क्या भेद हैं? हमारे चारों मतों के साथ वेदांत किस प्रकार से अलग है? आचार्य ने उन्हें भी संतुष्ट किया। जैन भी संतुष्ट हुए। अंत में जैमिनी मतावलंबियों ने पूछा - जैमिनी के मतानुसार शब्द का क्या स्वरूप है शब्द धर्म है या गुण? आचार्य ने उत्तर दिया,'आप जानते हैंकि शब्द वर्णनात्मक है, वर्ण नित्य और व्यापक है,श्रवण इंद्रिय द्वारा जब शब्द की अनुभूति होती है तभी उसकी उत्पत्ति मानी जाती है इसलिए शब्द द्रव है गुण नहीं।'

आचार्य के तर्कों से संतुष्ट होकर विद्वानों ने मंदिर के द्वार खोल दिए। मंदिर में प्रवेश कर आचार्य ने मां शारदा की स्तुति की - 'सुवोक्षोजकुंभां सुधापूर्णकुंभां प्रसादवलंबामं प्रपुण्यांवलम्बाम। भजे शारदाम्बाम मजस्त्रमदाम्बाम।।' यह अर्चना पूर्ण होते ही आकाशवाणी गूंजी- 'वत्स शंकर मैं तुमसे प्रसन्न हूं। आज मैं, तुम्हें सर्वज्ञ की उपाधि से विभूषित करती हूं। तुम इस पीठ के योग्य अधिकारी हो। वत्स तुम मेरी इस सर्वज्ञ पीठ पर आरोहण करो।' आचार्य धीरे धीरे पीठ की ओर बढ़ने लगे, चारों ओर से आचार्य की जय जयकारगूंजने लगी। आज आचार्य वास्तविक रुप से इस दिन जगतगुरु हुए। हमारे देश में जगद्गुरु बनाने की यही पात्रता थी। जगतगुरु आचार्य शंकर का दर्शन क्या था? आचार्य शंकर वेदांत दर्शन के पुनःप्रवर्तक माने जाते हैं। वेदांत शब्द का अर्थ जानने के लिए इस शब्द की संधि विच्छेद करने पर वेद अंत प्राप्त होता है। इसका अर्थ है - वेदों का अंतिम भाग। वेदांत दर्शन के दो मुख्य पक्ष हैं ङ्क पहला पक्ष सैद्धांतिक है जो बुद्धि प्रधान है जिसके द्वारा तर्कों के माध्यम से भ्रांतियों को दूर कर परम सत्य का बोध करवाया जाता है। वहीं दूसरे पक्ष में उस लक्ष्य की ओर संकेत किया जाता है जहां पहुंचकर परम शक्ति की अनुभूति होती है। इस हेतु अपनी बुद्धि एवं मन की सीमाओं का अतिक्रमण कर पार जाना होता है। वेदांत के सिद्धांत अनुसार विश्व का सारा दृश्यमान प्रपंच जिसमें सभी पशु-पक्षी,मानव,देवी-देवता शामिल है, यह नाम एवं रूप वाला विश्व ब्रह्म के अलावा कुछ नहीं है। 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म'। जो कुछ भी इस संसार में दिखाई देता है, जो कुछ भी नाम रूप से संबोधित होता है वह सब ब्रह्म की सत्ता से ही संचालित होता है।

मनुष्य जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य परम सत्य की,ब्रह्मज्ञान की,ब्रह्म स्वरूप अथवा मुक्ति की प्राप्ति ही होता है सारे वेदों का अंतिम अभिप्राय यही है। आचार्य ने जब अपने गुरु गोविंदपाद से शिक्षा पूर्ण की, तब गुरु ने आशीर्वाद दिया था कि तुम व्यास कृत ब्रह्म सूत्र पर भाष्य की रचना कर अद्वैत वेदांत को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित करने, सर्वधर्म के ज्ञान को सार्वभौमिक अद्वैत ब्रह्म की परिधि में लाने में सफल रहोगे।गुरु आज्ञा से आचार्य काशी पहुंचे,यहां उन्हें आद्यशक्ति एवं भगवान शंकर से आगे के कार्य का मार्गदर्शन मिला। भगवान ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि तुम्हारे द्वारा वैदिक धर्म की प्राण प्रतिष्ठा हो। तुम वेदांत की पूर्ण व्याख्या करो, भ्रमित मत वादों का खंडन करो, व्यास कृत ब्रह्मसूत्र भाष्य लिखकर वेदांत के मुख्य लक्ष्य ब्रह्म ज्ञान की पुनः प्रतिष्ठा करो। भगवान वेदव्यास द्वारा रचित ब्रह्म सूत्र परम ज्ञान की प्राप्ति हेतु मानव के मन मस्तिष्क में जितने भी प्रश्न-जिज्ञासा हो सकती है उन सब का उत्तर देता है। यह ग्रंथ आध्यात्मिक क्षेत्र के साहित्य का सर्वोच्च ग्रंथ है। गुरु एवं भगवान की आज्ञा का पालन करने आचार्य उत्तर में व्यास क्षेत्रपहुंचे। यहां अनेक दिनों तक गंभीरतापूर्वक ध्यान कर ब्रह्म सूत्र परभाष्य लिखना आरंभ किया। आचार्य प्रत्येक सूत्र का वाचन करते फिर अपने शिष्यों के साथ उस सूत्र का ध्यान करते। ध्यान में प्राप्त संकेतों के आधार पर प्रत्येक सूत्र का भावार्थ जानकर भाष्य की रचना करते। ब्रह्म सूत्र के लेखन के साथ-साथ आचार्य ने ब्रह्म सूत्र की शिक्षा अपने शिष्यों को देना प्रारंभ किया। इसी अवधि में आचार्य ने ब्रह्मसूत्र के भाष्य के साथ द्वादश उपनिषद, भगवत गीता जिन्हें प्रस्थानत्रयी कहा जाता है के साथ लगभग 16 ग्रंथों के भाष्य की रचना की। आचार्य ने मात्र 4 वर्ष की अवधि में यह कार्य पूर्ण किया। ऐसा कहा जाता है कि ब्रह्मसूत्र का भाष्य पूरा होने पर भगवान वेदव्यास स्वयं आचार्य से भेंट करने आए और प्रसन्न होकर आशीर्वाद दिया कि तुम विभिन्न वादों प्रतिवादों के सिद्धांतों को वेदांत मत से सहमत कर सारे मत वालों को पूर्ण करने का कार्य प्रारंभ करो। वेदांत की महिमा के साथ ब्रह्म तत्व के विज्ञान की पुनः प्रतिष्ठा करें। वेद, उपनिषद आदि शास्त्रों में ज्ञान के सिद्धांत एवं उसे जानने की प्रक्रिया समझाई गई है। शास्त्रों में वर्णित ज्ञान के भावार्थ को समझाने के लिए उनके भीतर प्रयुक्त किए गए हैं, शब्दों एवं परिभाषाओं की व्याख्या करने के लिए जो ग्रंथ रचे जाते हैं उन्हें प्रकरण ग्रंथ कहा जाता है। आचार्य ने 'आत्मबोध' के अलावा 'तत्वबोध', 'पंचदशी', 'विवेक चूड़ामणि'जैसे ग्रंथों की रचना की ताकि शास्त्रों की समय सापेक्ष सटीक व्याख्या की जा सके।आत्मबोध के 68 श्लोकों में आचार्य ने कलिष्ट सिद्धांतों को समझाने के लिए दृष्टांतों का उपयोग किया है। प्रत्येक श्लोक एक प्रभावशाली चित्र के समान हमारे समक्ष प्रकट होता है। वेदांत के कठिन प्रतीत होने वाले सिद्धांतों को सरलता से समझाने के लिए आचार्य ने उपमाओ का प्रयोग किया है। आचार्य अन्य मतावलमबियों को अपने मत से सहमत करवाने के लिए शास्त्रार्थ की पद्धति का उपयोग किया करते थे। जो विद्वान उनके समक्ष अपने मत की महत्ता एवं केवल उनके मत की अधिमान्यता को स्वीकार करने के आग्रह से प्रस्तुत होते थे, आचार्य उनके मत को पूरा सम्मान पूर्वक सुना करते, उसके बाद उस मत की पूर्णता के लिए वेदांत की आवश्यकता प्रतिपादित कर उन्हें पूर्ण रूप से सहमत कर लिया करते थे। आचार्य ने कोई नया पंथ, संप्रदाय अथवा मत स्थापित नहीं किया। उन्होंने तो प्राचीन वैदिक सनातन ज्ञान को ही तत्कालीन एवं भविष्य की आवश्यकता के अनुसार उनकी समझ स्पष्ट करने तथा समाज को बाकी सभी प्रकार के मतवादों से उपजे संघर्षों से उबार कर मूल जान पर, वास्तविक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया है।

**जगतगुरु आद्य शंकराचार्य का शिक्षा दर्शन**-भगवान वेदव्यास द्वारा रचित ब्रह्मसूत्र परम ज्ञान की प्राप्ति हेतु मानवके मन मस्तिष्क में जितने भी प्रश्न-जिज्ञासा हो सकती है उन सबका उत्तर देता है। यह ग्रंथ आध्यात्मिक क्षेत्र के साहित्य का सर्वोच्च ग्रंथ है। ऐसा कहा जाता है कि ब्रह्मसूत्र का भाष्य पूरा होने पर भगवान वेदव्यास स्वयं आचार्य शंकराचार्य से भेंट करने आए और प्रसन्न होकर आशीर्वाद दिया कि तुम विभिन्न वादों-प्रतिवादों के सिद्धांतों को वेदांत मत से सहमत कर सारे मत वालों को पूर्ण करने का कार्य प्रारंभ करो। वेदांत की महिमा के साथ ब्रह्म तत्व के विज्ञान की पुनः प्रतिष्ठा करें। महर्षि वेदव्यास के आशीर्वाद में ही आचार्य शंकर की शिक्षाओं का सार निहित है। आचार्य की शिक्षा पद्धति को जानने के लिए उनके द्वारा रचित ग्रंथों से संदर्भ लेकर आगे बढ़ते है। आचार्य रचित 'आत्मबोध' के अनुसार जिस प्रकार किसी विषय विशेष का अध्ययन करने के पूर्व उस विषय के विशिष्ट शब्दों की परिभाषा जानना आवश्यक होता है। ऐसे पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या समझ लेने से विषय प्रवेश सहज हो जाता है। वेदांत जीवन के विज्ञान का विषय है जो मनुष्य जीवन के वास्तविक लक्ष्य की ओर ध्यान आकृष्ट करता है, ऐसे उपाय एवं योजना बताता है जिससे साधक अपनी जीवन यात्रा सहज रूप से आगे बढ़ाते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। आचार्य रचित 'आत्मबोध' वह कुंजी है जिनसे शास्त्रों को खोलकर उनमें निहित दिव्य ज्ञान को बाहर निकाला जा सकता है। 'आत्मबोध' वेदांत के परिभाषिक शब्दों की विशद व्याख्या करता है। आत्मबोध के 68 श्लोकों में आचार्य ने कलिष्ट सिद्धांतों को समझाने के लिए दृष्टांतों का उपयोग किया है। प्रत्येक श्लोक एक प्रभावशाली चित्र के समान हमारे समक्ष प्रकट होता है। वेदांत के कठिन प्रतीत होने वाले सिद्धांतों को सरलता से समझाने के लिए आचार्य ने उपमाओ का प्रयोग किया है। आत्मबोध के श्लोक-2 में आचार्य कहते हैं -बोधोस्न्य साधनेभ्यो हि साक्शांमोक्षेक साधनं। पाकस्य वन्हिवज्ञानं विना मोक्षो न सिध्यति ।। अर्थात् जैसे बिना अग्नि भोजन नहीं कर सकता वैसे ही बिना ज्ञान के मोक्ष नहीं मिलता। साधनों की तुलना में आत्मज्ञान मोक्ष का सर्वोच्च साधन हैं। श्लोक-3 में आचार्य कहते हैं- 'अविरोधितया कर्म नासविद्यां विनिवर्तयेत। विद्याविद्याम निहंत्येव तेजस्तिमिरसंघवत।।' अर्थात् कोई कर्म अज्ञान का नाश नहीं कर सकता क्योंकि कर्म अज्ञान का विरोधी नहीं है। प्रकाश का एक छोटा सा दीपक घनघोर अंधेरे को दूर करता है। वैसे ही अज्ञान का नाश ज्ञान से ही होता है। वेदांत के विषय का प्रतिपादन करने हेतु आचार्य द्वारा रची गई अनेक रचनाओं में से एक उत्कृष्ट कृति है 'विवेक चूड़ामणि'। चूड़ामणि वह अलंकार होता है जिसे मस्तक पर शीर्ष पर धारण किया जाता है। आचार्य द्वारा रचित यह ग्रंथ विवेक का मुकुट मणि है। इस ग्रंथ में 581 श्लोक हैं। इस ग्रंथ के माध्यम से आचार्य ने अनेक विषयों को स्पष्ट किया है। शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों-विद्यार्थियों के लिए कुछ विषय जैसे ज्ञान उपलब्धि के उपाय, गुरु सपसत्ति और प्रश्न विधि, शिष्य-प्रश्न निरूपण, प्रश्न विचार आदि महत्वपूर्ण है। सामान्यतः शिक्षकों को इन विषयों के संबंध में एक आरंभिक ज्ञान प्रशिक्षण के दौरान एवं अपने अनुभव से मिलता है किंतु आचार्य ने विवेक चूड़ामणि में परम ज्ञान को प्राप्त करने के लिए जिस प्रकार से इन विषयों का विशद वर्णन किया है उनका अध्ययन एवं अनुपालन कर कोई भी शिक्षक किसी भी विषय के शिक्षण में आने वाली चुनौतियों का सामना अत्यंत सफलतापूर्वक कर सकता है। आचार्य शिष्यों को संबोधित करते हुए कहते हैं -



'अतोविचारः कर्तव्यों जिज्ञासोरात्मवस्तुतः।
समासाद्य दयासिंधुम गुरम ब्रम्हविदुत्तमम।।'

श्लोक15 - विवेक चूड़ामणि भावार्थ है सच्चे ज्ञान पिपासु जिज्ञासु को योग्य गुरु की शरण में जाकर उनसे आत्मा विचार एवं चिंतन करना सीखना चाहिए। वास्तव में देखा जाए तो शिष्यों को संबोधित यह श्लोक शिक्षकों का भी प्रबोधन करता है। यदि शिष्य 'आत्मविचार एवं चिंतन कैसे करें' यह सीखने के लिए गुरु के पास आता है तो गुरु को भी इन दोनों विधाओं में पारंगत होकर यह कुशलता विद्यार्थियों में विकसित करने की क्षमता स्वयं के भीतर विकसित करनी होगी। सही अर्थ में देखा जाए तो यही शिक्षा का उद्देश्य भी है। आगे आचार्य कहते हैं

मन्दमध्यमरूपापि वैराग्येण शमादिना।
प्रसादेन गुरोः सेयं प्रवृद्धा सुयते फलं।।

यदि विद्यार्थी मंद अथवा औसत हो तो यदि गुरु प्रयास करके शिष्यों को शम आदि षटसंपत्ति से युक्त करें तो मंद अथवा आवश्यक विद्यार्थी भी तीव्र हो जाता है। आचार्य के अनुसार परम ज्ञान को प्राप्त करने के लिए अपने विवेक को विकसित करना होता है। विवेक को विकसित करने के लिए मुमुक्षु अर्थात ज्ञान प्राप्ति हेतु इच्छुक विद्यार्थी को साधन चतुष्टय से संपन्न होना चाहिए।

आचार्य कहते है 'साधन चतुष्टयमं किंम नित्या नित्य वस्तु विवेकः यहां मूत्रार्थफलभोग विरागः शमादि षटसम्पत्ति मुमुक्षत्वम चेतिः।'

आचार्य के अनुसार चार ऐसे गुण है जिनको आत्मसात करने पर हमारा विवेक विकसित होता है। नित्य-अनित्य वस्तु का विवेक ङ्क इस बात को यहाँ हम लौकिक या व्यवहारिक ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में समझने का प्रयास करते है। विद्यार्थी जिस भी विषय का ज्ञान अर्जित करना चाहता है उसे अध्ययन अवधि में इस बात का विचार मन में सदैव रखना चाहिए कि कौन सी बात कार्य या विचार मेरे ज्ञान प्राप्ति में सहायक है और कौन सी बातें अवरोधक है। सहायक बातों का अनुराग रखते हुए निरर्थक बातों का त्याग कर देना चाहिए।

कर्मों के फलभोग से विरक्ति - विद्यार्थियों को ज्ञान अर्जन का यथाशक्ति सम्पूर्ण प्रयास करना चाहिए। लक्ष्य सामने रखना ही चाहिये किंतु उस लक्ष्य को पाने का दुराग्रह मन में नहीं रखना चाहिए। आग्रह प्रेरक होता है, दुराग्रह से मन का बोझ बढ़ता है। दुराग्रह अधिक होने से यदि अनुकूल परिणाम नहीं मिलते तो विद्यार्थी निराशा के दुष्प्रभाव में पड़ कर किसी भी सीमा तक चले जाने को प्रवृत्त हो जाता है।शम आदि षटसंपत्ति - शम, दम, उपरिति, तितिक्षा, श्रद्धा, और समाधान इस प्रकार की छः संपत्तियां हैं। शम - इसका का अर्थ होता है अपने मन का निग्रह अर्थात मन पर नियंत्रण।हमारे मन को यहां वहां भटकने का अभ्यास होता है, उसे भटकने के लिए नहीं छोड़ना चाहिए। हमने अपना जो लक्ष्य तय करके रखा है, जिस ज्ञान को प्राप्त करने के लिए हम प्रयासरत हैं उस ज्ञान को पाने के लिए अपने मन को केंद्रित करना चाहिये ताकि हमें ज्ञान प्राप्ति हेतु सभी आयामों से सहायता मिल सके। दम - इस का अर्थ है अपनी इंद्रियों पर आधिपत्य प्राप्त करना। इंद्रियों का निग्रह इस प्रकार से करना कि वह हमारे लक्ष्य के अनुकूल विषयों काज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित हो एवं उसके लिए किए जाने वाले प्रयासों को यथासंभव सहयोग करे।

उपरिती - इसका का अर्थ है अपने धर्म का पालन करना। यहां धर्म से तात्पर्य शिक्षकों के लिए शिक्षक के धर्म एवं विद्यार्थियों के लिएविद्यार्थी धर्म से है। यानि अपने शिक्षक के कर्तव्य अथवा विद्यार्थी के कर्तव्य का प्राणपन से निष्पादन करना, नवीन विचारों नवीन प्रणालियों, नवीन साधनों का अनुसंधान करना जिससे विद्यार्थी अध्ययन में रुचि ले एवं ज्ञान प्राप्ति का मार्ग उनके लिए सरल हो सके। तितिक्षा - इसका अर्थ है प्रत्येक प्रकार की आंतरिक एवं बाहरी प्रतिकूलताओं को सहन करने की शक्ति। जिस समाज जीवन में हम जीवन यापन करते हैं यहां पर अनेक प्रकार की प्रतिकूलताओं का सामना हमें दैनंदिन जीवन में करना पड़ता है। यदि हमारे भीतर इन प्रतिकूलताओं को सहन करने की शक्ति नहीं होगी तो हम अपने मार्ग से भटक सकते हैं। हमारा ज्ञान अर्जन का प्रयास प्रभावित हो सकता है। आचार्य ने प्रतिकूलता के संबंध में अपनी सहनशीलता को बढ़ाने का आग्रह किया है। आचार्य के जीवन में भी अगर हम देखें तो उन्हें अनेक प्रकार की प्रतिकुलताओं का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद वे अपने लक्ष्य से कभी नहीं डिगे। श्रद्धा- परमसत्ता में अखंड विश्वास का नाम श्रद्धा हैं। पहले शास्त्र, गुरु फिर साधना में श्रद्धा होती हैं, उससे आत्म- श्रद्धा बढती हैं। आत्म-स्वरूप में पूर्ण श्रद्धा होने पर उस निर्गुण,निराकार, परमसत्य ब्रह्म में बुध्दी स्थिर होती है। समाधान- यहां समाधान से तात्पर्य चित्त की एकाग्रता से है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अपने चित्र की एकाग्रता पर ध्यान केंद्रित करना अत्यंत आवश्यक होता है। शिक्षा देने एवं शिक्षा ग्रहण करने दोनों प्रक्रि याओं के लिए चित्त का एकाग्र होना अति आवश्यक है। आचार्य के अनुसार चौथा गुण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुमुक्षत्व- ज्ञानार्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की अभिलाषा एवं अचलनिष्ठा। यदि शिक्षक विद्यार्थी के ज्ञानार्जन की अभिलाषा जागृत कर देते हैं तथा ज्ञान के प्रति विद्यार्थियों के मन में अचल निष्ठा की स्थापना कर देते हैं तो शिक्षण कार्य सहज हो जाता है। आचार्य शंकर ने चार गुणों एवं छह संपत्तियों से विद्यार्थियों को युक्त करने के लिए गुरुओं से आग्रह किया है। आचार्य द्वारा प्रतिपादित वेदांतदर्शन की शिक्षा तथा लौकिक जगत की शिक्षा प्रदान करने का शास्त्रों मेंवर्णित उपाय आचार्य ने पुनर्स्थापित किया है। आचार्य अन्य मतावलमबियों को अपने मत से सहमत करवाने के लिए शास्त्रार्थ की पद्धति का उपयोग किया करते थे। जो विद्वान उनके समक्ष अपने मत की महत्ता एवं केवल उनके मत की अधिमान्यता को स्वीकार करने के आग्रह से प्रस्तुत होते थे, आचार्य उनके मत को पूरा सम्मान पूर्वक सुना करते, उसके बाद उस मत की पूर्णता के लिए वेदांत की आवश्यकता प्रतिपादित कर उन्हें पूर्ण रूप से सहमत कर लिया करते थे। आचार्य शंकर परम ज्ञान की प्राप्ति के लिए जिन सिद्धांतों एवं प्रक्रियाओं को अपनाने का आग्रह करते हैं उनका पालन कर हम अपने लक्ष्य को सहजता से प्राप्त कर सकते हैं।

# खिलेगा अस्तित्व राग: जीवटता के सांचे में ढली कविताएं

पुस्तक समीक्षा
जीतेंद्र निर्मोही
समीक्षक

विवेक कुमार मिश्र कोलाज के कवि हैं, एक साथ बहुत सारी अर्थ छवियां उनके काव्य सृजन का आधार बन जाती हैं। वे मूलतः जीवन राग के कवि हैं। चाय पीते-पीते कब किसी बरगद की जड़ों पर बैठकर पत्तों में रंग भरने लग जाए पता ही नहीं चलता।लोक मंगल भावना से वे कविता सृजित करते हैं। जड़ें उन्हें बांधे रखती हैं - जब जब भटकता हूं/ भरमाता हूं/ जड़ें आ जाती है/ और बांध लेती है।

'खिलेगा अस्तित्व राग' का कवि घुमक्कड़ है, यायावर है। विवेक कुमार मिश्र जीवन सत्य और संघर्ष की यात्रा आसान करने के लिए मनुष्यता के अस्तित्व की बात करते हैं। वो यायावर को ढूंढते हैं तो पाते हैं कि बच्चे पेड़, पहाड़ और नदियों के साथ साथ सूरज दादा का चित्र जरुर बना रहे हैं। वो पृथ्वी के गर्भ में जल को ढूंढ रहे हैं ताकि जल बचा रहे। वो मनुष्य को सामाजिक होने का संदेश दे रहे हैं ताकि मनुष्यता बची रहे। विवेक कुमार मिश्र एक लम्बे इंतजार से प्रतिफल को देखते हैं -

देखते देखते राह के पत्थर
रेत बन गए
पर हमने इंतजार
करना नहीं छोड़ा

मुझे यहां गीतकार तारा प्रकाश जोशी याद आते हैं -

कहो तो अनाहूत क्षण तक
चलें

कवि की यात्रा कहां खत्म होती है एक अनथक यात्रा में उनका कवि मन चलता रहता है। जीवन प्रियता उनका प्रिय विषय है। विवेक कुमार मिश्र जीवन राग के कवि हैं। वर्तमान समय में उनकी कविताओं में क्रोध, आक्रोश,राग, द्वेष कहीं नहीं दिखाई देता। ऐसा लगता है कि इलाहाबाद के संगम तट से आया यह व्यक्तित्व चम्बल में गंगा की निर्विकारता को देख रहा है। बस यही रास्ता है जैसे अस्तित्व राग का, संसार कथाओं को लिए चलता रहता है, एक कथा समाप्त हो जाती है दूसरी आ जाती है। कवि का धैर्य है कि उसने व्याथाओ को उजागर नहीं किया। आज़ जो हम जो समाज में वर्ग संघर्ष और जातिवाद देख रहे हैं ये उन्हीं कवियों और विचारकों की देन है जिन्होंने धैर्य खोया और उकेर दिया। समंदर अपने अंदर बहुत दर्द संजोए है लेकिन मथने पर अमृत देता है। विवेक कुमार मिश्र ऐसे ही अमृतत्व की तलाश में निकलें है।वो बिस्तर में भी आराम नहीं चाहते -

नींद नहीं आती है तो कोई बात नहीं
कुछ काम धाम ही कर लें
वर्तमान समय में -
और संसार मोबाइल पर घूमता रहता है
यहां दिन रात जैसा कुछ होता ही नहीं

अजीबो गरीब समय है मैं इन दिनों एक परिजन की मां की मृत्यु पर बैठने गया था। थोड़ी देर बातचीत हुई फिर उनकी अंगुलियां मोबाइल पर चलने लगी। अब ऐसे में कोई कवि सामाजिक सरोकारों को ढूंढेगा ही। यही है अस्तित्व राग की मंशा कवि अस्तित्व राग फैलने की नहीं खिलने की बात करता है।वो चाहता है मनुष्य का चेहरा खिला रहे वह इस व्यस्ततम समय में खिलखिला कर बात करे।




डॉ विवेक मिश्र की कविताएं संदेश देती रहती है -

कहानियों किस्सों में
गुम नहीं होता संसार
संसार चलता रहता है
कि जैसे चिंटियां चलती है
और रच देती है अस्तित्व की इबारत

डॉ विवेक मिश्र को पढ़ने पर आनंद आता है तो मुझे अपने समय के बड़े कवि डॉ भगवती लाल व्यास याद आ जाते हैं जो कहा करते थे -'कविता और कुछ दे न दे आनंद देती है।' यह सच है अभी परसों ही डा अतुल चतुर्वेदी मुझे 'व्यंग्य आलोचना के विविध आयाम' देकर गये उसमें भी उनके बारे में उल्लेख है।

यही शायद हमारे कविता के सरोकार जिसके लिए कविता लिखी, पढ़ी और सुनी जाती है। डॉ विवेक मिश्र को उनकी कविता कृति 'खिलेगा अस्तित्व राग' के लिए असीम बधाईयां एवं शुभकामनाएं।

# देश की 10 'सेफ सिटीज' में ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में मध्यप्रदेश से एकमात्र धार का चयन

## केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के प्रयास लाए रंग, लोकसभा क्षेत्र में लिखी जा रही विकास की नई इबारत

**धार से राजेश शर्मा**

आज का दिन धार-महू संसदीय क्षेत्र खासकर आदिवासी बाहुल्य धार जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा। देश की 10 'सेफ सिटीज' में विशिष्ट उपलब्धि के रूप में मध्यप्रदेश से एकमात्र धार का चयन होने से, धार देश के मानचित्र पर आ गया हैं। 'सेफ सिटी' परियोजना के माध्यम से धार जिले को एक सुरक्षित, सशक्त और आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के अथक प्रयास रंग लाए और धार को यह सौगात मिली हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2026 के लिए देशभर के 10 प्रमुख शहरों को 'सेफ सिटीज' परियोजना के अंतर्गत चयनित किया गया है, जिनमें मध्यप्रदेश से ऐतिहासिक नगरी धार को स्थान मिला है। यह चयन धार जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है, जो क्षेत्र के विकास और सुरक्षा के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

### लोकसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है

धार-महू संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर निरंतर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। उनके सक्रिय नेतृत्व और दूरदर्शी प्रयासों के परिणामस्वरूप आज लोकसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। आधारभूत संरचना से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक, हर क्षेत्र में प्रगति देखने को मिल रही है। इसी क्रम में धार जिले को एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। केंद्रीय मंत्री के विशेष प्रयासों से केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 'निर्भया फंड' के अंतर्गत धार को 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत संकल्प का प्रतीक है।

### चयनित स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, स्मार्ट लाइटिंग, महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस सहायता व्यवस्था, सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ किया जाएगा

इस परियोजना के तहत धार एवं लोकसभा क्षेत्र के चयनित स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य योजना तैयार की जाएगी। आधुनिक तकनीकों जैसे सीसीटीवी निगरानी, स्मार्ट लाइटिंग, महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस सहायता व्यवस्था तथा सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके साथ ही जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ावा दिया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा शत-प्रतिशत वित्त पोषित यह महत्वाकांक्षी परियोजना महिलाओं को भयमुक्त वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे न केवल महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता में भी वृद्धि होगी। उपलब्धि से पूरे लोकसभा क्षेत्र की जनता में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

### प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही: सावित्री ठाकुर

इस उपलब्धि पर सुबह सवेरे के संवाददाता राजेश शर्मा ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर से विशेष चर्चा की तो उन्होंने बताया कि ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी बाहुल्य जिलों के लिए बेहद संवेदनशील है और लगातार सौगात दे रहे हैं। धार जिले को भी प्रधानमंत्री मोदीजी एक से बढ़कर एक उपलब्धियां और सौगात दे रहे हैं। मेरी मांग पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने देशभर के 10 प्रमुख शहरों की 'सेफ सिटीज' परियोजना में धार को शामिल कर हमें बड़ी उपलब्धि दी है।

सावित्री ठाकुर जी ने प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'सेफ सिटी' परियोजना के माध्यम से धार जिले को एक सुरक्षित, सशक्त और आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

# तापमान 38 डिग्री पहुंचा, 40 के पार जाने का अनुमान

**बैतूल।** जिले में गर्मी ने फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। अल्ट्रा वायलेट (यूवी) इंडेक्स 11 दर्ज किया गया है, जो अत्यधिक खतरनाक स्तर पर है। पिछले दो दिनों में आसमान में बादल छाए रहने से गर्मी का अहसास कुछ कम हुआ था और उमस बढ़ी थी। हालांकि, बुधवार को तेज धूप और तपते सूरज के कारण खुले में निकलना मुश्किल हो गया। शाम तक तापमान के 39-40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। आर्द्रता मात्र 17 प्रतिशत रहने से मौसम शुष्क बना हुआ है। हवा की गति करीब 14 किलोमीटर प्रति घंटे रही, लेकिन इससे गर्मी में ज्यादा राहत नहीं मिल सकी।

**हीट वेव जैसी स्थिति फिलहाल नहीं-** मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल हीट वेव जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान और तेज धूप के कारण लू जैसे हालात बनने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई है। पिछले कुछ दिनों के तापमान पर गौर करें तो अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा है। पहले जहां यह 39.5 से 39.7 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया था, वहीं अब यह 38 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहते हुए फिर बढ़ने के संकेत दे रहा है। न्यूनतम तापमान भी 21.8 से बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे रात में भी हल्की गर्माहट बनी हुई है।

# दंगों की त्रासदी ने उजाड़ा पूरा परिवार

## माता-पिता की मौत के बाद दो मूक-बधिर बेटे हुए बेसहारा

**बैतूल।** मुलताई में हुई आगजनी और दंगों की एक दर्दनाक कहानी सामने आई है, जिसने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया। माता-पिता की मौत के बाद अब दो मूक-बधिर बेटे–नीतीश बचले और शुभम बचले–पूरी तरह से निराश्रित और असहाय हो गए हैं। इस हृदयविदारक घटना को लेकर पूर्व विधायक एवं किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम ने जिला कलेक्टर बैतूल को पत्र

- **पूर्व विधायक डॉ. सुनीलम ने कलेक्टर से लगाई गुहार–राहत राशि, नौकरी और पुनर्वास की मांग**

लिखकर तत्काल सहायता और पुनर्वास की मांग की है। दंगों से शुरू हुई त्रासदी, मौत तक पहुंची कहानी पत्र के अनुसार, 9-10 अक्टूबर 2025 को मुलतापी में दंगाइयों द्वारा नामदेव बचले के दो ठेलों सहित 11 अन्य ठेलों और दुकानों में आगजनी और लूटपाट की गई थी। इस घटना में नामदेव बचले को करीब 65 हजार रुपए का नुकसान हुआ।

इस घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। 19 जनवरी 2026 को पत्नी सरिता बचले का निधन हो गया। और गहरे सदमे में 18 अप्रैल 2026 को नामदेव बचले ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली अब इस चार सदस्यीय परिवार में केवल दो बेटे ही बचे हैं, जो मूक-बधिर हैं और पूरी तरह असहाय स्थिति में जीवन जीने को मजबूर हैं। मूक-बधिर बेटों की हालत बेहद दयनीय नीतीश और शुभम बचले न सिर्फ अपने माता-पिता को खो चुके हैं, बल्कि जीविकोपार्जन का कोई साधन भी उनके पास नहीं है। नीतीश बचले ने ब्रेल लिपि के माध्यम से बीए तक शिक्षा प्राप्त की है, इसके बावजूद रोजगार के अवसर न होने से उनका भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। अब तक दर्ज नहीं हुई एफआईआर, प्रशासन पर उठे सवाल सबसे गंभीर पहलू यह है कि इतनी बड़ी आगजनी और लूटपाट की घटना के बावजूद अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इस पर भी पत्र में चिंता जताते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए गए हैं।

### 5 लाख की राहत राशि और नौकरी की मांग

डॉ. सुनीलम ने कलेक्टर से मांग की है कि पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपए की राहत राशि प्रदान की जाए। नीतीश बचले को शासकीय नौकरी देकर पुनर्वास किया जाए परिवार को जीविकोपार्जन के लिए नया ठेला शुरू करने हेतु आर्थिक सहायता दी जाए पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि परिवार के पास संबल कार्ड और आयुष्मान कार्ड उपलब्ध हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है।

प्रशासन से मानवीय हस्तक्षेप की उम्मीद पूर्व विधायक ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि इस मामले को संवेदनशीलता से लेते हुए पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान की जाए। साथ ही, उन्होंने कलेक्टर से व्यक्तिगत रूप से परिवार से मिलकर सांत्वना देने की भी अपील की है।

**निष्कर्ष-** यह घटना सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनशीलता और व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मार्मिक अपील पर कितनी जल्दी और प्रभावी कार्रवाई करता है, ताकि दो असहाय बेटों को एक नई उम्मीद मिल सके।

# महिला आरक्षण पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने छीना पुतला

### पुतला दहन की कोशिश नाकाम, पुलिस ने वाटर कैनन से रोका

**बैतूल।** गंज क्षेत्र स्थित टॉकीज चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का पुतला जलाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाटर कैनन

से पानी की बौछार कर पुतले को छीन लिया और स्थिति को नियंत्रित किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोनिका निरापुरे और ग्रामीण अध्यक्ष पुष्पा पंद्राम ने किया। पार्षद नंदिनी तिवारी सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं। युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। मोनिका निरापुरे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले ही महिला आरक्षण बिल पेश कर चुकी है और इसे 2023 में पारित किया गया, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे लागू नहीं किया। उनका कहना था कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के नाम पर जनगणना और परिसीमन की शर्त लगाकर इसे टालने की कोशिश की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि महिला आरक्षण को बिना किसी शर्त के जल्द से जल्द लागू किया जाए, ताकि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

# प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण का अंतिम सत्र 23 अप्रैल से

**बैतूल।** जनगणना 2027 का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण है। बैतूल कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के नेतृत्व और अपर कलेक्टर तथा जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट की निगरानी में 23 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक तीन दिवसीय प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 10 ग्रामीण चार्ज और 9 नगरीय चार्ज में आयोजित किया जाएगा। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि जिले में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण अंतर्गत 30 बैचों में 10 ग्रामीण चार्ज तहसील- आमला, बैतूल, भैंसदेही, भीमपुर, घोड़ाडोंगरी, प्रभात पट्टन, मुलताई, शाहपुर, चिचोली एवं आठनेर में लगभग 730 प्रगणकों एवं 130 पर्यवेक्षकों एवं 09 नगरीय चार्ज क्रमशः बैतूल, आमला, मुलताई, सारनी नगर पालिका और आठनेर, घोड़ाडोंगरी, चिचोली, शाहपुर एवं भैंसदेही नगर परिषद के लगभग 310 प्रगणकों और 60 पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न होगा। इसमें ज्ञात हो कि 6 प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक नियुक्त हैं। इस प्रकार कुल लगभग 1040 प्रगणक और 190 पर्यवेक्षक प्रशिक्षित होंगे।

### 64 फील्ड ट्रेनर्स के द्वारा दिया जाएगा प्रशिक्षण

उन्होंने बताया कि सभी 19 चार्ज अंतर्गत 30 बैचों में हो रहे इस प्रशिक्षण को जिले में प्रशिक्षित किए गए 64 फील्ड ट्रेनर्स देंगे। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस हैंड्स ऑन अभ्यास भी कराएंगे। सटीक और पारदर्शी जनगणना की मजबूत नींव प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी प्रगणक एवं पर्यवेक्षक फील्ड में जाने से पूर्व पूर्ण रूप से दक्ष एवं प्रशिक्षित हों, जिससे जनगणना 2027 का कार्य निर्धारित समय-सीमा में, पारदर्शिता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके।

### एचएलओ ऐप में 33 प्रश्नों के सटीक संकलन का प्रशिक्षण

10 ग्रामीण एवं 9 नगरीय चार्ज अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 1040 प्रगणक एवं 190 पर्यवेक्षक सहभागी बनेंगे। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को एचएलओ हाउस लिस्टिंग एप्लीकेशन के प्रभावी संचालन के साथ-साथ उसमें निर्धारित 33 महत्वपूर्ण प्रश्नों के सटीक एवं व्यवस्थित संकलन की तकनीक सिखाई जाएगी। चूंकि ये प्रश्न आम नागरिकों की घरेलू स्थिति एवं उपलब्ध संसाधनों से जुड़े हैं, इसलिए उनके संकलन में शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रशासनिक पद्धति अपनाई जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्रश्न पूछने की प्रभावी शैली, संवाद कौशल तथा ऐप में त्रुटिरहित डेटा प्रविष्टि की बारीकियों का व्यवहारिक अभ्यास कराया जाएगा, जिससे जनगणना कार्य अधिक सटीक एवं विश्वसनीय बन सके।

# अपर कलेक्टर वंदना जाट ने आमजनों को स्वगणना के लिये किया प्रेरित

**बैतूल।** जनगणना 2027 के लिए जिला बैतूल में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट द्वारा अपनी प्रत्यक्ष उपस्थिति में स्थानीय स्तर पर स्वगणना की व्यापक जानकारी मय स्टॉफ प्रदाय करके अधिकतम लोगों से स्वगणना करने की अपील की गई। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरेंद्र कुमार गौतम ने बताया कि जनगणना 2027 पूर्णतः डिजीटल जनगणना है एवं इसका आकर्षक पहलू स्वगणना सेल्फ इनूमिरेशन है। मध्यप्रदेश में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वगणना होगी। जिले में पुराने एवं नए कलेक्ट्रेट कार्यालय, बस स्टैंड के आसपास तथा स्थानीय स्तर पर स्थित कार्यालयों में जिला जनगणना कार्यालय द्वारा अभिनव डिजिटल पहल स्व-गणना करवाई गई। इस दौरान स्टॉफ को स्व-गणना के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वयं गणना करने के लिए प्रेरित किया गया।

**आमजन को प्रेरित करने हेतु मार्गदर्शन-** उक्त अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों के स्टाफ को स्व-गणना के लाभ, इसकी सरल प्रक्रिया एवं समय की बचत के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मौके पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराते हुए स्व-गणना की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया गया, जिससे अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। इस पहल का उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुलभ एवं प्रभावी बनाना है, साथ ही डिजिटल माध्यम के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना भी है। स्व-गणना को प्रोत्साहित करने के लिए अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट मय स्टॉफ द्वारा आमजन को मार्गदर्शन प्रदान किया गया, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस अभिनव डिजिटल पहल से जुड़कर स्वयं अपनी गणना सुनिश्चित कर सकें।

# कैट की बैठक संपन्न, व्यापारियों के हितों पर हुआ मंथन

**बैतूल।** कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग की महत्वपूर्ण संभागीय बैठक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया के आतिथ्य में हरदा में संपन्न हुई। इस बैठक में व्यापारियों की समस्याओं उनकी जिम्मेदारियों तथा व्यापार में प्रगति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विशेष रूप से अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्रदेश प्रदेश महामंत्री राजीव खंडेलवाल, संभाग प्रभारी मंजीत सिंह साहनी, जिला अध्यक्ष बैतूल मनोज भार्गव, हरदा जिला अध्यक्ष सरगम जैन मौजूद रहे। इस मौके पर बीसी भरतिया ने विशेष रूप से महिला उद्यमियों के प्रतिनिधि के रूप में महिलाओं के साथ सार्थक संवाद किया।

# स्कूलों का वातावरण बच्चों के लिए आकर्षक बनाया जाए : कलेक्टर डॉ.सोनवणे

## आंगनवाड़ी में भोजन चखकर गुणवत्ता परखी, जर्जर भवन की मरम्मत के निर्देश

**बैतूल।** कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बुधवार को प्रभात पट्टन क्षेत्र के ग्रामों के भ्रमण के दौरान प्राथमिक शाला जामुनढाना का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हाजिरी रजिस्टर का अवलोकन कर छात्रों की उपस्थिति, पाठ्यपुस्तक वितरण एवं मिड-डे मील की व्यवस्था की जानकारी ली। स्कूल में व्यवस्थाएं संतोषजनक न मिलने पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शासन एवं जनभागीदारी के सहयोग से स्कूलों का समग्र वातावरण बच्चों के लिए आकर्षक बनाया जाए। उन्होंने डेस्क-बेंच की पर्याप्त व्यवस्था, स्कूल भवन का रंगरोगन तथा साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों के लिए उपलब्ध रुचिपूर्ण पुस्तकों को अलमारी में बंद रखने के बजाय व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित करने और उनके अध्ययन के लिए प्रेरित करने को कहा। खेलकूद गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश भी शिक्षकों को दिए।वोइसके पश्चात कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र

का निरीक्षण कर कुपोषित बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के पंजीयन तथा पोषण आहार वितरण की जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाड़ी में प्रदान किए जा रहे भोजन को चखकर उसकी गुणवत्ता भी परखी।

निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी भवन जर्जर स्थिति में पाए जाने तथा छत से पानी रिसाव की समस्या सामने आने पर कलेक्टर डॉ सोनवणे ने भवन की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी में शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की।

पानी का स्थायी स्रोत नहीं होने पर जल जीवन मिशन के तहत स्कूल और आंगनवाड़ी में जल स्रोत विकसित कर नियमित पानी आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जनपद सीईओ आंचल पवार, तहसीलदार संजय बैरिया, तहसीलदार यशवंत गिन्नारे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती इंदिरा महतो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिलता है ?25 हजार का प्रोत्साहन

**सीहोर (निप्र)।** राज्य शासन द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा 'सुपर 5000 योजना' वर्ष 2013 से संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ?25 हजार की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। योजना के अनुसार, राज्य मेरिट में टॉप 5000 योजना में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह लाभ मिलेगा। कक्षा 10वीं में राज्य स्तर की टॉप 5000 योजना में मेरिट में स्थान होना आवश्यक है, जबकि कक्षा 12वीं में अपने-अपने संकाय (विज्ञान, वाणिज्य, कला) की टॉप 5000 मेरिट योजना में शामिल होना अनिवार्य होगा। इस योजना का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिनके माता या पिता परीक्षा परिणाम जारी होने के पूर्व MPBOCW में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं तथा जिन्होंने मध्यप्रदेश बोर्ड से परीक्षा उत्तीर्ण की है।आवेदन के लिए श्रम सेवा पोर्टल www.labour.mp.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ मेरिट प्रमाण पत्र एवं विद्यालय के प्राचार्य की अनुशंसा संलग्न करना अनिवार्य है। महत्वपूर्ण बात यह है कि विद्यार्थी को परीक्षा उत्तीर्ण करने के अगले वर्ष 31 मार्च तक आवेदन करना होगा, अन्यथा वह इस योजना के लाभ से वंचित हो सकता है। यह योजना निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

### वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 मई को होगा

**हरदा (निप्र)।** नालसा, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा, श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में पूरे जिले में लंबित प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किये जाने हेतु 9 मई, 2026 को वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, हरदा तथा तहसील न्यायालय, टिमरनी और खिरकिया में किया जावेगा। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा, श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य सिविल और आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक रिकवरी संबंधी मामले, एमएसीटी प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण, विद्युत बिल, जलकर, सम्पत्तिकर बिल संबंधी प्रकरण (चोरी के मामलों को छोड़कर), सेवा मामलें, जो सेवा निवृत्ति लाभों से संबंधित है, राजस्व तथा अन्य सभी प्रकार के राजीनामा योग्य, प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा।

### बुधनी खिलौना क्लस्टर का भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों ने किया भ्रमण

**सीहोर (निप्र)।** भारतीय विदेश सेवा (ट्रेनर्स) के अधिकारियों के एक दल ने बुधनी स्थित खिलौना क्लस्टर का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने स्थानीय खिलौना कारीगरों से सीधे संवाद कर पारंपरिक खिलौना निर्माण की विधियों, उपयोग में आने वाले कच्चे माल तथा व्यापारिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने कारीगरों द्वारा बनाए जा रहे हस्तनिर्मित खिलौनों की गुणवत्ता, डिजाइन और बाजार संभावनाओं का अवलोकन किया तथा इस परंपरागत कला के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने कारीगरों से उनके अनुभव, चुनौतियों और बाजार विस्तार से जुड़े पहलुओं पर भी चर्चा की। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली की भी जानकारी ली।

### किसानों की सुविधा के लिए गेहूं उपार्जन के लिए सात नवीन खरीदी केंद्र बनाए गए

**विदिशा (निप्र)।** रबी विपणन वर्ष 2026-27 में कृषकों से गेहूं उपार्जन किए जाने हेतु विदिशा जिले में 147 गेहूं उपार्जन निर्धारित किए गए हैं। किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा पर 147 उपार्जन केन्द्रों के अतिरिक्त सात नवीन गेहूं उपार्जन (खरीदी) केंद्र बनाए गए हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि कृषक बंधुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विदिशा जिले में सात गेहूं उपार्जन (खरीदी) केंद्र निर्धारित किए गए हैं, उनमें कुरवाई तहसील के दो उपार्जन केंद्र जानकी आजीविका परिषद संकुल महलुआ इंसा वेयर हाउस ग्राम बिशनपुर और नारी शक्ति आजीविका परिषद सिहोरा शिवम लॉजिस्टिक्स वेयर हाउस ग्राम लायरा के अलावा ग्यारसपुर तहसील के लिए सहारा संकुल स्तरीय संगठन ग्यारसपुर मंगलम वेयरहाउस ग्यारसपुर, नटेरन तहसील के लिए ग्राम संगठन सेऊ पीतांबरा वेयरहाउस नटेरन, बासौदा तहसील के लिए शिवांश संकुल स्तरीय संगठन पचमा ऋतु वेयर हाउस ग्राम कांकर, विदिशा तहसील के लिए शारदा स्व सहायता समूह बमूरिया मां कर्मा वेयरहाउस ग्राम बमुरिया और शमशाबाद तहसील के लिए पार्वती स्व सहायता समूह शमशाबाद कृष्णा लॉजिस्टिक्स महानीम चौराहा शमशाबाद शामिल हैं।

**जल गंगा संवर्धन अभियानः ग्राम नढा के घने जंगलों एवं पहाड़ियों के मध्य स्थित जल स्रोत की ग्रामीणों ने की सफाई**

# मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का दिया संदेश

**बैतूल (निप्र)।** मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड आठनेर के कावला सेक्टर अंतर्गत अंतिम सीमा से सटी ग्राम पंचायत मानी के ग्राम नढा स्थित तीर्थ क्षेत्र गोमुख नदी पर जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम द्वितीय चरण का सफल आयोजन किया गया। ÷जल है तो कल है ङ्कजल स्रोतों की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है।÷इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आठनेर विकासखंड से लगभग 55 किमी दूर धारुड के समीप ग्राम नढा के घने जंगलों एवं पहाड़ियों के मध्य स्थित इस महत्वपूर्ण जल स्रोत पर व्यापक श्रमदान किया गया।

इस दौरान प्रतिभागियों द्वारा जल स्रोत के आसपास फैले प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को साफ किया गया तथा चट्टानों पर जागरूकता संबंधी नारों का लेखन किया गया। साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया। जन अभियान परिषद के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण में मुख्य एवं सामूहिक नदियों पर सामूहिक श्रम साधना एवं नदी अनुभूति कार्यक्रम अंतर्गत आठनेर विकासखंड की समस्त नवांकुर संस्थाओं, परामर्शदाताओं, प्रस्फुटन समिति धारुड एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई , जिनमें विशेष रूप से ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति धारुड एवं नवांकुर संस्था सतपुड़ा पर्यावरण समिति आठनेर का सराहनीय सहयोग रहा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन श्रद्धालुओं एवं पिकनिक मनाने आने वाले लोगों को जागरूक करने हेतु आयोजित किया गया, जो अनजाने में प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री फेंककर इस पवित्र जल स्रोत को प्रदूषित कर देते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया गया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिला कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में बैतूल जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रयास किया गया हैं।

### जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गूजरवाड़ा में जल चौपाल एवं संरक्षण शपथ का आयोजन

**नर्मदापुरम (निप्र)।** कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था गुरुदेव शिक्षा एवं समाज सेवा समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गूजरवाड़ा द्वारा सेक्टर क्रमांक-04 अंतर्गत ग्राम गूजरवाडा में जल चौपाल एवं जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक नरेंद्र देशमुख ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जल को सहेजना, उसका संरक्षण करना एवं प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का मूल कर्तव्य है। उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। नवांकुर संस्था प्रमुख नीतिराज सिंह यादव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि जल के बिना जीवन अधूरा है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए सभी को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए।

### जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महलवाड़ा में श्रमदान से तालाब का गहरीकरण एवं साफ-सफाई

**नर्मदापुरम (निप्र)।** कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, नर्मदापुरम द्वारा जिले भर में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में पिपरिया विकासखंड के ग्राम महलवाड़ा में नवांकुर संस्था आराध्या समाज कल्याण समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्रमदान के माध्यम से तालाब का गहरीकरण एवं साफ-सफाई कार्य किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल स्रोतों के संरक्षण के महत्व को समझा और सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने जल संवर्धन एवं संरक्षण की शपथ भी ली।

कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन एवं जल संकट से निपटने के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है तथा सामुदायिक प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिल रही है।

## जिले में नरवाई जलाने पर रहेगा सख्त प्रतिबंध, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

**बैतूल (निप्र)।** कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने जिले में खेतों में नरवाई पराली जलाने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरण विभाग और एयर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन एक्ट 1981 के तहत अर्थदंड लगाया जाएगा।

जारी आदेश के अनुसार फसल कटाई के बाद कई किसान खेत साफ करने के लिए डंठलों में आग लगा देते हैं, जिससे आग अनियंत्रित होकर जन-धन की हानि का कारण बनती है। साथ ही इससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित होती है। नरवाई जलाने से मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति घटती है और उत्पादन प्रभावित होता है। वहीं खेत में मौजूद अवशेष प्राकृतिक रूप से सड़कर जमीन को उपजाऊ बनाते हैं, जिन्हें जलाने से यह प्रक्रिया बाधित होती है। पराली जलाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब किसानों के पास रोटावेटर, सुपरसीडर जैसे आधुनिक साधन उपलब्ध हैं, जिनसे बिना आग लगाए खेत तैयार किया जा सकता है। उपरोक्त परिस्थितियों में जन सामान्य के हित, सार्वजनिक संपत्ति, पर्यावरण एवं लोक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बैतूल डॉ.सोनवणे ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 63 में प्रदत्त अधिकारों के तहत बैतूल जिले की भौगोलिक सीमा में खेत में नरवाई पराली में आग लगाए जाने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरण विभाग और एयर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन) एक्ट 1981 के तहत अर्थदंड लगाया जाएगा।

## किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों में तौल कांटे 4 से बढ़ाकर 6 किए गये - मंत्री श्री राजपूत

**सीहोर (निप्र)।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या चार से बढ़कर 6 कर दी गई है। इससे समय पर किसानों द्वारा लाये गए गेहूं की तुलाई हो सकेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक एक लाख 36 हज़ार 237 किसानों से 59 लाख 48 हजार 980 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है।

किसानों को 575 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है। अभी तक 4 लाख 62 हजार 19 किसानों द्वारा 1 करोड़ 97 लाख 29 हजार 339 क्विंटल गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं। खरीदी के लिये 3171 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। गेहूँ की खरीदी कार्यालयीन दिवसों में होती है। सेटेलाइट ई-मेल में मिलान नहीं पाए गए खसरों को छोड़कर उसी किसान के शेष खसरों पर गेहूँ की फसल विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी गई है।

उपार्जन केन्द्र की क्षमता अनुसार उपज की तौल की जा सके एवं अधिक से अधिक किसानों से उपार्जन किया जा सके, इसके लिये प्रतिदिन प्रति उपार्जन केन्द्र पर गेहूँ विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विंटल की गई है।

उपार्जन केंद्र में किसानों के लिये गेहूँ बिक्री की सभी सुविधाएं

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि उपार्जन केंद्रों में गेहूँ विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। गेहूँ के उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है।

उपार्जित गेहूँ को रखने के लिये जूट बारदानों के साथ ही पीपी/एचडीपी बैग एवं जूट के भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ के सुरक्षित भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उपार्जित गेहूँ में से 49 लाख 47 हजार 190 क्विंटल गेहूँ का परिवहन किया जा चुका है।

प्रदेश में गेहूँ उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था। इस वर्ष युद्ध की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों के हित में सरकार द्वारा 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पिछले वर्ष से एक लाख मीट्रिक टन अधिक है।

## जनगणना 2027 के तहत स्वगणना की प्रक्रिया प्रारम्भ

### जिले के नागरिकों से स्व गणना कार्य में सक्रिय सहभागिता की अपील

**हरदा (निप्र)।** मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के तहत 16 अप्रैल 2026 से स्व गणना का कार्य प्रारंभ हो गया है, जो 30 अप्रैल 2026 तक की अवधि में संपादित किया जाएगा। नागरिकों को स्व गणना की सुविधा के लिए एक समर्पित वेब पोर्टल https://se.census.gov.in के माध्यम से पहली बार यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रगणकों द्वारा एक मई से 30 मई 2026 की अवधि में सम्पादित किया जाएगा, जिसके जिले में सफल संचालन के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्व गणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें, इससे जिले की जनगणना का कार्य तेजी से पूर्ण हो सकेगा। स्वगणना की प्रक्रिया बहुत सरल है। इसे आसानी से पूर्ण किया जा सकता है।

स्व गणना प्रक्रिया - जनगणना 2027 में डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसके तहत भौतिक मकान सूचीकरण अभियान (एचएलओ) शुरू होने से पहले 15 दिनों की वैकल्पिक ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा दी गई है। नागरिक 16 से 30 अप्रैल के बीच आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इससे उन्हें एक विशिष्ट आईडी प्राप्त होगी, जो आगे की प्रक्रिया में सहायक होगी।

नागरिक स्व गणना के लिए आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपने राज्य का चयन करें और कैप्चा कोड दर्ज कर लॉगिन करें। परिवार के मुखिया का नाम, 10 अंकों का मोबाइल नंबर और ई मेल आई डी (वैकल्पिक) दर्ज करें। इस समय यह ध्यान रखें कि परिवार के मुखिया का नाम बाद में बदला नहीं जा सकेगा। प्रत्येक परिवार के लिए केवल एक मोबाइल नंबर का उपयोग किया जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें तथा पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। अपने जिले का चयन करें और पिनकोड के साथ अपने गांव, नगर, स्थानीय क्षेत्र की जानकारी भरें। इसके बाद मानचित्र (मैप) पर लाल मार्कर को खींचकर (ड्रैग कर) अपने आवासीय भवन के सटीक स्थान पर स्थापित करें एवं स्थान की पुष्टि करें। इससे प्रगणक को स्व गणना सत्यापन के लिए आपकी लोकेशन में पहुंचने में आसानी होगी।

उपरोक्त प्रक्रिया के बाद मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की प्रश्नावली पूर्ण करें। प्रश्नों को समझने में सहायता के लिए टूलटिप्स, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न तथा आवश्यक सूचना उपलब्ध है। इसके बाद पूर्व अवलोकन स्क्रीन का उपयोग कर दर्ज की गई सभी जानकारी की जांच करें। संशोधन के लिए वापस जाएं (बैक करें), बाद में प्रस्तुत करने के लिए ड्राफ्ट में सेव करें, या पुष्टि करें और सबमिट करें।

## जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गठित टीमों ने लोगों को बाल विवाह के प्रति किया गया जागरूक

**हरदा (निप्र)।** जिले में बाल विवाह रोकने एवं बाल विवाह के प्रति लोगों में जागरूकता प्रसारित करने के उद्देश्य से गठित 08 लीगल एड टीमों ने गांव-गांव जाकर दूल्हे-दुल्हनों के आई.डी. कार्ड जांच कर बाल विवाह होने की संभावनाओं पर लगाई लगाम। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर से प्राप्त निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी तथा न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चन्द्रशेखर राठौर के मार्गदर्शन में जिले में सोमवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर विशेष एक दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों में होने वाले बाल विवाह की रोकथाम एवं नालसा बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं के आलोक में आमजनों को जागरूक करने के लिए पैरालीगल वॉलेंटियर्स

और अधिवक्तागण की कुल 08 लीगल एड टीमों द्वारा गांव-गांव जाकर दौरा किया गया। सदस्यों ने जिला मुख्यालय हरदा, तहसील टिमरनी, खिरकिया, रहटगांव, हण्डिया में चिन्हित किए गए हाईरिस्क गांवों में जाकर, विवाह होने वाले घरों में परिवार के सदस्यों से मुलाकात की तथा उन्हें बाल विवाह के बारे में जानकारी दी। इस दौरान वर एवं वधु की उम्र के प्रमाणीकरण के संबंध में उनके दस्तावेजों की जांच भी की गई। परिवार में उपस्थित लोगों को जिले के स्थानीय प्रशासन, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समन्वय से बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए संचालित किए जा रहे कार्यक्रम की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 में बाल विवाह कराने वाले परिजनों एवं सेवा प्रदाताओं को 2 साल के कारावास एवं एक लाख रूपये जुर्माने के प्रावधान के बारे में अवगत कराया गया। बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बनने के लिए लोगों को जिला प्राधिकरण से जुड़ने की अपील की गई।

## अपने मोबाइल से स्व गणना फॉर्म भरने की होड़, डिजिटल सुविधा का लाभ लेने की अपील

**विदिशा (निप्र)।** कलेक्टर एवं जिला मुख्य जनगणना अधिकारी श्री अंशुल गुप्ता द्वारा जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को बढ़ावा देते हुए स्वयं अपने मोबाइल फोन के माध्यम से स्व-गणना फॉर्म भरकर नागरिकों को प्रेरित किया और यह संदेश दिया है कि यह प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं सहज है। उन्होंने जिले के समस्त नागरिकों से इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है।

भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई यह आधुनिक डिजिटल सुविधा नागरिकों को घर बैठे सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक तरीके से जनगणना में भाग लेने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक पोर्टल पर लॉगिन कर कुछ आसान प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकता है। उल्लेखनीय है कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य एक मई से 30 मई तक किया जाएगा। इसके पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्व-गणना हेतु पोर्टल पर विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस अवधि में नागरिक अपनी स्व-गणना समय रहते पूर्ण कर सकते हैं, जिससे आगामी प्रक्रिया और अधिक सुगम हो सके। इससे नागरिकों को घर, कार्यालय अथवा किसी भी स्थान से मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से सुरक्षित रूप से जानकारी दर्ज करने की सुविधा मिलती है। जनगणना-2027 में पहली बार नागरिकों को स्व-गणना का विकल्प प्रदान किया गया है। जो एक आधुनिक, तकनीकी रूप से सशक्त एवं समावेशी प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे नागरिकों की भागीदारी बढ़ेगी और देश के विकास के लिए आवश्यक आंकड़ों का संकलन अधिक सुगमता से किया जा सकेगा।

जनगणना का द्वितीय चरण, जिसमें जनसंख्या गणना की जाएगी, फरवरी 2027 में पूरे देश में संपन्न होगा। इस दृष्टि से वर्तमान स्व-गणना प्रक्रिया नागरिकों को प्रारंभिक चरण में ही जुड़ने और अपनी जिम्मेदारी निभाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्व-गणना सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और जनगणना कार्य को सफल बनाने में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

**कंट्रोल रूम में सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई**

## ग्राम धनखेड़ी में रूकवाया गया नाबालिक बालक का बाल विवाह

**सीहोर (निप्र)।** कलेक्टर श्री बालगुरू के. के निर्देशानुसार सीहोर जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए सक्रिय निगरानी और त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से प्राप्त सूचना के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस की टीम ने सराहनीय पहल करते हुए ग्राम धनखेडी में एक नाबालिग बालक का विवाह रुकवाया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे ने बताया कि सीहोर जिले के ग्राम धनखेड़ी में एक बाल विवाह होने की सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग पर्यवेक्षक श्रीमती गुलनाज जहां, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा वर्मा, पंचायत सचिव भारत गुर, मंडी थाना पुलिस एवं एनजीओ के सुमित गौर की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि जिस बालक का विवाह किया जा रहा है उसकी उम्र 17 वर्ष 06 माह है, जो कि विधि अनुसार बाल विवाह की श्रेणी में आता है।

टीम ने मौके पर ही बालक के परिजनों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया और समझाइश दी कि 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह कराना दंडनीय अपराध है। टीम ने बालक के भविष्य पर इसके दुष्प्रभावों की भी विस्तार से जानकारी दी। टीम की समझाइश सहमति देते हुए परिजनों ने बालक की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने तक विवाह स्थगित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर सभी ने एकजुट होकर बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया।

### 26 अप्रैल को सीहोर जिला जेल में आयोजित होगी विशेष जेल लोक अदालत

**सीहोर (निप्र)।** प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्षर श्री श्री संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार 26 अप्रैल को सीहोर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सीहोर स्थित जिला जेल में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने बताया कि जेल लोक अदालत में रखे जाने के लिए न्यायालय के समक्ष बंदियों के लंबित छोटे अपराधो, समझौता योग्य प्रकरण, प्ली बारगेनिंग योग्य प्रकरण और अन्य उपयुक्त आपराधिक प्रकरणों सहित योग्य प्रकरणों की पहचान पहले से कर सूचना पत्र जारी किये जा रहे है एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीहोर की खंडपीठ द्वारा जेल परिसर में ही बैठक कर इन प्रकरणों की सुनवाई एवं निराकरण जेल लोक अदालत के माध्यम से किया जाएगा।

# सतना में अनियंत्रित होकर नहर में गिरा सरिया लदा ट्रक, तीन की दर्दनाक मौत

**सतना(नप्र)।** मध्यप्रदेश में सतना-रीवा नेशनल हाईवे-39 पर बुधवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। नेमुआ मोड़ के पास सरिया से लदा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए सीधे नहर में जा गिरा। इस हृदय विदारक घटना में ट्रक सवार चालक, क्लीनर और एक मजदूर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। ट्रक के केबिन में फंसे शवों को निकालने के लिए पुलिस को कटर मशीन और क्रेन की मदद लेनी पड़ी है। तब जाकर सभी के शव बाहर निकाले जा सके हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 8 बजे के आसपास हुआ। सरिया लोड कर जा रहा ट्रक जैसे ही नेमुआ मोड़ के पास पहुंचा, चालक ने संतुलन खो दिया। ट्रक डिवाइडर से टकराते हुए उसे पार कर गया और गहरे ढलान के साथ नहर में जा गिरा। ट्रक इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ कि अंदर सवार तीनों लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और वे मलबे व सरियों के बीच दब गए।

**कटर मशीन से काटकर निकाले गए शव** – राहगीरों की सूचना पर रामपुर बघेलान थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक की बॉडी पिचक जाने के कारण शव अंदर बुरी तरह फंसे हुए थे। पुलिस ने क्रेन बुलाकर पहले ट्रक को सीधा कराया, जिसके बाद दो शव निकाले जा सके। तीसरे शव को निकालने के लिए गैस कटर का उपयोग कर ट्रक की बॉडी को काटा गया। करीब 4 घंटे चले इस भारी रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तीनों मृतकों को बाहर निकाला जा सका।

**मैहर के रहने वाले थे दो मृतक** – पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले तीन में से दो लोगों की शिनाख्त हो गई है। दोनों मृतक मैहर जिले के निवासी हैं।मृतकों की पहचान दिलीप केवट (पिता राजेश केवट), निवासी ग्राम पडरी, मैहर, विष्णु केवट (पिता माखनलाल केवट), निवासी रामगढ़, मैहर के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं, जो संभवतः क्लीनर या अन्य मजदूर बताया जा रहा है।

**हाईवे पर लगा रहा लंबा जाम** – हादसे की भयावहता को देखते हुए एडिशनल एसपी और तहसीलदार सुजीत नागेश भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान हाईवे पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने एम्बुलेंस के जरिए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रक को हटाकर करीब 5 घंटे बाद हाईवे पर आवागमन सुचारू कराया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और यह जांच की जा रही है कि हादसा वाहन में तकनीकी खराबी के कारण हुआ या चालक को झपकी आने की वजह से।

# शाजापुर में हाईवे पर गदर, गेहूं रिजेक्ट हुआ तो भड़के किसान

## जाम में फंसे दूल्हे से बोले- 'करो जोरदार अभिनंदन'

**शाजापुर (नप्र)।** मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के कालापीपल क्षेत्र में मंगलवार को उस समय अजीबोगरीब स्थिति बन गई, जब अपनी उपज बेचने आए किसानों का धैर्य जवाब दे गया। ग्राम खरदौनकलां स्थित श्रीराम वेयरहाउस पर सर्वेयर द्वारा गेहूं रिजेक्ट किए जाने से नाराज किसानों ने कालापीपल-कुरावर स्टेट हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियां खड़ी कर चक्काजाम कर दिया। करीब एक घंटे तक हाईवे पर पहिए थमे रहे, लेकिन इस तनावपूर्ण माहौल के बीच किसानों का एक मजाकिया अंदाज भी देखने को मिला।

**चक्काजाम में दूल्हे से ठिठोली** – जाम के दौरान वहां से एक दूल्हा अपनी दुल्हन के साथ निकल रहा था। किसानों ने दूल्हे की गाड़ी को रोक लिया और उसे पास बुलाकर मजाकिया अंदाज में पूछा- कहो बंशीलाल जी, इतनी धूप में खड़े होकर कैसा लग रहा है? करो इनका जोरदार अभिनंदन। जब किसानों ने पूछा कि मुहूर्त तो नहीं निकल रहा, तो दूल्हे ने हंसते हुए जवाब दिया- लगन तो हो गई, अब तो बस देवी-देवताओं की पूजा करने जा रहे हैं। इस पर किसानों ने फिर चुटकी ली और माहौल खुशनुमा हो गया।

**3-3 बार फेल हो रहा सैंपल** – किसानों का आरोप है कि उपार्जन केंद्र पर अधिकारी नमी और गुणवत्ता का हवाला देकर बार-बार गेहूं लौटा रहे हैं। एक किसान ने बताया कि तीन-तीन बार सैंपल फेल होने से उन्हें बार-बार ट्रैक्टर का किराया और भारी भाड़ा वहन करना पड़ रहा है। मौसम के बदलते मिजाज और बारिश की आशंका ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। उनकी मांग है कि नमी के मानकों में छूट दी जाए और तुलाई तुरंत शुरू की जाए।सर्वेयर की मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी। किसान पहले ही मौसम की मार झेल रहा है, ऊपर से नमी के नाम पर परेशान करना गलत है। 3 बार सैंपल फेल होने का मतलब है किसान पर दोगुना आर्थिक बोझ।

**तहसीलदार के आश्वासन पर खुला जाम** – मौके पर पहुंचे तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव ने किसानों से लंबी चर्चा की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि समस्या का समाधान किया जाएगा। पुलिस (एसआई रवि भंडारी) ने बताया कि गेहूं में मिट्टी होने के कारण ग्रेडिंग की समस्या थी। बाद में समझाइश के बाद किसानों को रोड से हटाया गया और ग्रेडिंग के बाद गेहूं की तुलाई शुरू हुई।

# दोस्त ने धोखा दिया, अब जीकर क्या करूं ?

## ● खरगोन में किसान ने की आत्महत्या, वीडियो में दोस्त और उसके बेटे को ठहराया जिम्मेदार

**खरगोन (नप्र)।** जिले के गोगावां थाना क्षेत्र के ग्राम रेहगांव में एक किसान ने कथित तौर पर अपने ही दोस्त की धोखाधड़ी से आहत होकर खेत में कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले किसान ने एक वीडियो बनाकर दोस्त और उसके बेटे पर जमीन सौदे में लाखों रुपए की धोखाधड़ी, गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले में आरोपित पिता-पुत्र के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज कर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

### कीटनाशक पीकर की खुदकुशी

घटना के बाद सालकराम ने अपने खेत में कीटनाशक पी लिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मंगलवार सुबह गोगावां के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्ट्म किया गया। इसके बाद मृतक की पत्नी, बेटी और बेटा आयुष ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा सुरक्षा की मांग की। इस दौरान कुछ देर के लिए थाना परिसर में तनाव की स्थिति भी बनी रही। पुलिस के आश्वासन के बाद परिजन दोपहर में शव को अंतिम संस्कार के लिए गांव ले गए।

**जमीन के सौदे का मामला** -पुलिस के अनुसार मृतक किसान सालकराम (45) पिता मोतीराम ने गांव के ही तीन भाइयों, राजू, वीरेंद्र और जितेंद्र (पिता रामेश्वर गुप्ता) से 7.52 एकड़ जमीन का सौदा किया था। यह सौदा उसने अपने करीबी मित्र सुरेश यादव के नाम से किया था। बयाना राशि एक लाख रुपए सहित दस्तावेजी खर्च भी सालकराम ने ही वहन किया था। तय हुआ था कि पांच माह में पूरी राशि अदा कर रजिस्ट्री कराई जाएगी। इस सौदे की पुष्टि गवाहों ने भी की है।

**रुपए लौटाने का आरोप** – मृतक द्वारा बनाए गए वीडियो में उसने बताया कि उसने राजू व जितेंद्र गुप्ता को 22 लाख 7 हजार 300 रुपए तथा अपने मित्र सुरेश यादव को 45 लाख रुपए दिए थे। इसके बावजूद सुरेश ने रुपए लौटाने से इनकार कर दिया। किसान ने यह भी आरोप लगाया कि सुरेश यादव और उसके बेटे कमलेश यादव ने उसे घर बुलाकर गाली-गलौच की और उसे व उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी। वीडियो में ग्राम बिलखेड़ निवासी श्याम पर भी धमकाने के आरोप लगाए गए हैं।

# सीएम बोले- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे माफी मांगें, पीएम पर टिप्पणी निंदनीय

## मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था- मोदी आतंकवादी की तरह, बाद में कहा- ऐसा नहीं बोला

**भोपाल (नप्र)।** तमिलनाडु चुनाव प्रचार में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पीएम मोदी को आतंकवादी कहने पर एमपी के मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई है। सीएम मोहन यादव ने बयान की निंदा करते हुए खड़गे से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष का इस तरह का बयान गैर-जिम्मेदाराना है, उनको अपने आचरण और व्यवहार पर विचार करना चाहिए। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह की टिप्पणी निंदनीय है। मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस अध्यक्ष माफी मांगें और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचें।

**खड़गे ने कहा था- मोदी आतंकवादी की तरह** – कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चेन्नई में मंगलवार को पीएम मोदी को आतंकवादी कह दिया था। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद खड़गे ने अपने बयान पर सफाई दी। खड़गे ने कहा था 'मोदी एक आतंकवादी की तरह हैं जो समानता में विश्वास नहीं रखते। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखती।' उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब है कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं।

# पटवारी सुसाइड केस में एक्शन नायब तहसीलदार निलंबित

## ● परिजनों का पोस्टमार्ट्म से इनकार, एफआईआर की मांग को लेकर विधायक भी धरने पर

**रतलाम (नप्र)।** रतलाम के आलोट में पदस्थ पटवारी रविशंकर खराड़ी के सुसाइड मामले में बढ़ते विरोध के बाद कलेक्टर मिशा सिंह ने नायब तहसीलदार सविता राठौर को निलंबित कर दिया है। मंगलवार रात से ही मृतक के परिजन और पटवारी संघ नायब तहसीलदार पर केस दर्ज करने की मांग को लेकर थाने में धरने पर बैठे थे। बुधवार सुबह परिजनों ने एफआईआर दर्ज होने तक शव का पोस्टमार्ट्म कराने से इनकार कर दिया और मेडिकल कॉलेज में धरने पर बैठ गए। वर्तमान में सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार और जयस नेताओं के साथ परिजन अपनी मांग पर अड़े हैं, वहीं प्रशासनिक अधिकारी उन्हें लगातार समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

# जल संरक्षण में सभी की सहभागिता हो, सबको जोड़ें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## पानी बचाने में मध्यप्रदेश है देश में तीसरे स्थान पर

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल बचाने में समाज की भागीदारी जरूरी है, इसीलिये प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से सब जुड़े, सभी अपना सहयोग दें, हम सबको मिल-जुलकर यह करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पानी बचाना हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है। हम सालों से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के जरिए जल संरक्षण को जल आंदोलन का रुप दिया जा रहा है। यह अभियान की सफलता ही है कि हमारा मध्यप्रदेश जल संचयन के मामले में नेशनल रैंकिंग में तीसरे स्थान पर आया है। प्रदेश में जल संरक्षण के लिए लगभग 6 हजार 278 करोड़ का वित्तीय लक्ष्य तय किया गया है। विभिन्न श्रेणियों के कुल 2.44 लाख से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य चिन्हित कर करीब 6 हजार 236 करोड़ रुपये की लागत से जल विकास-निकास एवं विस्तार कार्य कराये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण से अनौपचारिक चर्चा में यह जानकारी देकर सभी को अपने प्रभार के जिलों में इस अभियान की नियमित समीक्षा करने तथा जल संचायन के लिए आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण को बीते सप्ताह में राज्य सरकार को मिली विशेष उपलब्धियों की जानकारी भी दी।

**स्कूल शिक्षा में 15 अप्रैल को आया पिछले 16 साल का सर्वश्रेष्ठ परिणाम – बेटियां रहीं अव्वल** – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 15 अप्रैल को मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा ली गई कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित हुआ। हमेशा की तरह इस बार भी होनहार बेटियां अव्वल रहीं। हमारी बेटियों को बेटों से 10 प्रतिशत अधिक सफलता मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि इस बार के परिणाम पिछले 16 सालों के बोर्ड परीक्षा परिणामों में सर्वश्रेष्ठ रहे। यह हमारी सरकार द्वारा शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए किए जा रहे नवाचारों और सांदीपनि विद्यालयों की सफलता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में असफल विद्यार्थियों को 'रुक जाना नहीं परीक्षा योजना' के तहत 'द्वितीय परीक्षा अवसर' भी दिया जा रहा है। द्वितीय अवसर की परीक्षाएं 7 से 25 मई तक आयोजित होंगी। एक साल में दो परीक्षाएं आयोजित कर मध्यप्रदेश सरकार ने बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों को बहुत बड़ी राहत दी है।

**अमरकंटक को 'नो मूवमेंट-नो कंस्ट्रक्शन जोन' बनाने की आवश्यकता** – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि नर्मदा माता के उद्गम स्थल अमरकंटक को धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 13 अप्रैल को अमरकंटक में ही नर्मदा समग्र मिशन की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि यह मनोरम स्थल प्रकृति की गोद में आध्यात्मिक शांति पाने का उत्तम केंद्र है। हम इस स्थल के विकास के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। अमरकंटक को 'नो मूवमेंट एवं नो कंस्ट्रक्शन जोन' निर्धारित करने की आवश्यकता है, जिससे यहां सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि हम अमरकंटक का इकोलॉजिकल बैलेंस मेंटेन रखने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि मोक्षदायिनी (पापनाशिनी) नर्मदा माता की शुचिता और पवित्रता अक्षय बनी रहे।

**संकल्प से समाधान अभियान – 99.90 प्रतिशत आवेदनों का हुआ निराकरण** – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में इसी साल 12 जनवरी से 31 मार्च तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया गया। अभियान में सरकार को 45.69 लाख से अधिक आवेदन मिले। इनमें से 47.68 लाख प्रकरणों का समाधान करते हुए 99.90 प्रतिशत आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान नागरिकों की समस्याओं के समाधान और उनकी जरूरतों की पूर्ति की दिशा में बेहद अच्छा प्रयास साबित हुआ। इसने प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनोन्मुखी प्रशासन को और मजबूत किया है।

**21 प्रतिशत से अधिक आबादी के समग्र विकास की पूरी चिंता** – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 16 अप्रैल को राज्यस्तरीय जनजातीय उपयोजना कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला प्रदेश की 21 प्रतिशत से अधिक आबादी (जनजातीय वर्ग) के समग्र विकास और कल्याण की नई रुपरेखा बनाने का महत्वपूर्ण प्लेटफार्म साबित हुई। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूरी चिंता के साथ जनजातीय वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए समुचित वित्त व्यवस्थापन एवं प्रबंधन किए हैं।

**ओरछा-चंदेरी के लिए शुरू हुई पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा** – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 19 अप्रैल को भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ किया गया। हमारे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। इससे न केवल पर्यटन का विकास होगा बल्कि आर्थिक एवं रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हेलीकॉप्टर का किराया, टैक्सी का शुल्क 1150 रुपए और दर्शन एवं प्रसाद के लिए 350 रुपए का भुगतान करना होगा। यात्रा के लिए 6 सीटों वाले आधुनिक हेलीकॉप्टर का उपयोग किया ज रहा है।

# धार के गांव में घुसा तेंदुआ, ग्रामीणों को झपट्टा मार-मारकर गिराया

## चार लोग हुए घायल, रेस्क्यू में जुटी फॉरेस्ट टीम

**धार (नप्र)।** मध्यप्रदेश के धार जिले के धामनोद के गुजरी डेहरिया गांव में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक तेंदुआ अचानक रिहायशी इलाके में घुस आया। तेंदुए ने बस्ती में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया जिससे एक महिला सहित कई लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में डर का माहौल बन गया और लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए।

**राह चलते लोगों पर करने लगा हमला** – ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ पास की झाड़ियों से निकलकर सीधे बस्ती में आ गया और उसने राह चलते लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। हमले में महेश वास्केल, ग्यारसी लाल सोलंकी, कांताबाई राठौड़ और विकास डावर सहित अन्य लोग घायल हुए हैं। बाद में जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को पकड़ने की कोशिश की तो उसने वनकर्मियों पर भी हमला कर दिया। इस दौरान वन रक्षक दद्दू सिंह भी घायल हो गए।

**घायलों को धार जिला अस्पताल किया गया रेफर** – वहीं, घायलों को पहले गुजरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से हालत को देखते हुए सभी को जिला अस्पताल धार रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक घायलों को पेट, कंधे और चेहरे के आसपास चोटें आई हैं। वहीं कुछ लोगों के शरीर पर पंजों के निशान भी पाए गए हैं।

**गांव के आसपास छिपा हुआ है तेंदुआ** – वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदुआ अभी भी गांव के आसपास ही छिपा हुआ है। उसे पकड़ने के लिए लगातार सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि तेंदुआ एक पुलिया के नीचे पाइप में छिपा हुआ है जिसे बाहर निकालने के लिए विशेष टीम की मदद ली जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए इंदौर से भी विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया है।

**यहां से भटककर गांव में पहुंचते हैं तेंदुए** – डीएफओ ने जानकारी देते हुए बताया कि इलाके के आसपास विंध्याचल और मांडव के पहाड़ी क्षेत्र हैं जहां तेंदुओं की मौजूदगी सामान्य बात है। लेकिन इस तरह बस्ती में घुसने की घटना पहली बार सामने आई है। इससे पहले भी कुछ दिनों पहले नजदीक के हाईवे पर तेंदुए को देखा गया था जहां उसने एक बकरी का शिकार किया था।

# रीवा में उतरेंगे एयरबस जैसे बड़े विमान

## रनवे 2300 मीटर करने 140 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, 340 करोड़ मुआवजा मिलेगा

**रीवा (नप्र)।** रीवा एयरपोर्ट पर भविष्य में एयरबस (एयरबस 320) जैसे 150 से 180 सीटर बड़े विमानों की लैंडिंग कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए रनवे की लंबाई 1800 मीटर से बढ़ाकर 2300 मीटर की जाएगी और 140 एकड़ अतिरिक्त जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। वर्तमान में प्रशासन ने जमीन का सीमांकन कर रिपोर्ट भोपाल भेज दी है, वहीं डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के अनुसार अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले 830 किसानों को 340 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की प्रक्रिया चल रही है। इस परियोजना से लगभग 830 किसान प्रभावित होंगे, जिन्हें सरकार द्वारा 340 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की प्रक्रिया चल रही है। नियमित विमान सेवा शुरू होने के बाद पांच माह में रीवा में 20,000 लोगों ने हवाई सफर किया। जिससे यह बात स्पष्ट हो गई है कि रीवा में हवाई यात्रा को लेकर काफी पोटेंशियल है। जिस वजह से सरकार ने भी रीवा एयरपोर्ट का विस्तार करने पर सहमति जताई है।

**140 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, रिपोर्ट भोपाल भेजी** – रीवा एयरपोर्ट का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिसके बाद इसे 'हवाई हब' के रूप में विकसित करने की योजना है। एयरपोर्ट विस्तार के लिए करीब 140 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रशासन द्वारा जमीन के सीमांकन का कार्य पूरा कर रिपोर्ट भोपाल भेज दी गई है।

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि

**2300 मीटर होगा रनवे, अभी सिर्फ एटीआर-72 की होती है लैंडिंग** – वर्तमान में रीवा एयरपोर्ट का रनवे लगभग 1800 मीटर लंबा है। यह रनवे अभी केवल एटीआर-72 जैसे छोटे विमानों के लिए ही उपयुक्त है और अब तक यहां ऐसे ही विमान संचालित होते रहे हैं।

# धीरेंद्र शास्त्री बोले-नक्कटा तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले

## ● लेंसकार्ट के तिलक-मंगलसूत्र पाबंदी पर भड़के, कहा- बेटा गड़बड़ हो गए हो तुम, सुधर जाओ

**खजुराहो (नप्र)।** प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमंत कथा के दौरान लेंसकार्ट कंपनी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा- एक कंपनी है उसका नाम लेंसकार्ट है, उसने बोला है अपनी कंपनी के वर्करों को कि हमारे यहां कोई तिलक लगा के नहीं आ सकता, मंगलसूत्र पहन के नहीं आ सकता, सिंदूर लगा के नहीं आ सकता। पं. धीरेंद्र ने कहा- ठटरी के बरे ! नक्कटा ! तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? आगि के लगे ! तेरो कक्का को भारत है का? हां ! हमारे तो बाप का भारत है। हां ! जिनको तिलक से, चंदन से, वंदन से, राम से, श्याम से, हनुमान से, बाबा बागेश्वर से दिक्कत हो, वो पतली गली लाहौर खिसक लें। पं. धीरेंद्र की कथा 21 से 23 अप्रैल तक चलेगी। बता दें, लेंसकार्ट विवाद कंपनी द्वारा तिलक, सिंदूर और मंगलसूत्र जैसे धार्मिक प्रतीकों पर पाबंदी के दावे से जुड़ा है।

# प्रदेश में 43 डिग्री तक पहुंचा पारा, भोपाल-इंदौर भी गर्म

## ग्वालियर किले पर सन्नाटा, गर्मी से बचाने सब्जियों पर पानी का छिड़काव कर रहे किसान

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के कई जिलों में दिन का तापमान 42 से 43 डिग्री के करीब पहुंच गया है, वहीं रात का तापमान भी 27 डिग्री तक बना हुआ है, जिससे लोगों को दिन-रात गर्मी से राहत नहीं मिल रही।

मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर शामिल हैं।

**ग्वालियर किले में पर्यटकों की संख्या घटी** – ग्वालियर में तापमान 41 डिग्री तक पहुंच गया है। तेज गर्मी का असर पर्यटन पर भी साफ दिखाई दे रहा है। ग्वालियर किला पर दिन के समय पर्यटकों की संख्या कम हो गई है और आसपास की सड़कों पर भी सन्नाटा नजर आ रहा है। टीकमगढ़ में

सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाएं चल रही हैं। मंगलवार को यहां अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को इसके 42 डिग्री पार जाने का अनुमान है। भीषण गर्मी के कारण दोपहर में स्कूलों से लौटते बच्चों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खरगोन में भी तापमान 40 डिग्री के ऊपर बना हुआ है और दोपहर 1 बजे के बाद लू जैसे हालात बनने लगते हैं। गर्मी का असर खेती पर भी पड़ रहा है। मिर्च के पौधों को बचाने के लिए किसान लगातार पानी का छिड़काव कर रहे हैं और नेट हाउस में तापमान नियंत्रित रखने की कोशिश कर रहे हैं।

**सीधी में रहा था सबसे अधिक पारा** – मंगलवार को खजुराहो और नर्मदापुरम सबसे गर्म रहे। अन्य जिलों में भी तापमान 40 डिग्री के पार रहा। सीधी में 42.6 डिग्री, नौगांव में 42.5 डिग्री, रायसेन में 42.2 डिग्री, रतलाम में 42 डिग्री, नरसिंहपुर और सतना में 41.6 डिग्री, टीकमगढ़ और रीवा में 41.5 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों की बात करें तो जबलपुर में 40.6 डिग्री, भोपाल में 40.2 डिग्री, इंदौर में 39.9 डिग्री, ग्वालियर में 40.2 डिग्री और उज्जैन में 40 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।